दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

गणपती बाप्पा मोरया

गणेशोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष: 2 | अंक: 280 | जयपुर, मंगलवार, 19 सितंबर, 2023 | भाद्रपद, शुक्ल पक्ष- चतुर्थी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

गणेश चतुर्थी आज, प्रथम पूज्य की पूजा के दो श्रेष्ठ मुहूर्त

जयपुर। प्रथम पूज्य भगवान गणेश का जन्मोत्सव मंगलवार को मनाया जाएगा। इस दिन पूजा के लिए श्रेष्ठ दो मुहूर्त रहेंगे। इसमें घर पर पूजा के लिए सुबह 9 से 11 बजे तथा सुबह 11:25 से दोपहर 2 बजे तक का मुहूर्त श्रेष्ठ है। वहीं, दुकान या ऑफिस में पूजा के लिए सुबह 10 से 11:25 और दोपहर 12 से 1:20 बजे तक का समय श्रेष्ठ रहेगा। इसके साथ ही चौघड़िया के अनुसार सुबह 9:11 से 10:43 बजे तक,10:44 से दोपहर 12:14 और दोपहर 12:15 से 1:46 तथा दोपहर 3:18 से शाम 4:50 बजे तक भी पूजा की जा सकती है।

कल जोधपुर आएंगे असम के सीएम सरमा

जयपुर। रामदेवरा से शुरू हुई भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा सोमवार को जोधपुर जिले में प्रवेश कर गई। यह यात्रा नागौर खरनाल होते हुए ओसियां पहुंची। इस यात्रा का समापन 21 सितंबर को जोधपुर के गांधी मैदान में सभा के साथ होगा। इससे पहले 20 सितंबर को लूणी में भी सभा होगी, जिसमें असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा भी शामिल होंगे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

बाड़मेर, जालोर, जैसलमेर में भारी बारिश का अलर्ट आज... कई जगह जनजीवन प्रभावित

बांसवाड़ा में तीन दिन में दस मौत, फसल खेतों में पसरी

बेधड़क | जयपुर

जयपुर में दिनभर रिमझिम, प्रदेश में पारा गिरा

प्रदेश के दक्षिणी जिलों में भारी बारिश राहत की बजाय आफत साबित हो रही है। बांसवाड़ा के माही बांध के पास करीब 200 बीघा फसल चौपट हो गई। माही बांध, कोटा बैराज के अलावा कई बांधों के सोमवार को भी गेट खोलकर पानी की निकासी की गई। बहरहाल, बारिश के चलते प्रदेश की एक दर्जन से अधिक जगहों पर दिन का अधिकतम तापमान गिरकर 30 डिग्री से नीचे पहुंच गया। राजधानी में दिनभर हल्की फुहारों के कारण लोग जरूरी काम से ही बाहर निकले। मौसम विभाग ने जालोर, बाड़मेर और जैसलमेर के लिए मंगलवार को भारी बारिश का अलर्ट और बुधवार से बारिश की गतिविधियों में कमी की संभावना जताई है।

200 बीघा खेत बन गए एनिकट

बांसवाड़ा में भारी बारिश के कारण पिछले तीन दिन में 10 लोगों की मौत हो गई। माही बांध के पिछले इलाके में करीब 200 बीघा खेतों में अंदर पानी जमा होने से खेत एनिकट नजर आने लगे। इससे सोयाबीन और कपास की फसल पसर कर नष्ट हो गई। इसके भी सभी गेट खोलकर पानी की निकासी की गई, वहीं बेणेश्वर धाम पर बने टापू से सोमवार लोगों को सुरक्षित निकाल लिया।

कोटा बैराज के 12 गेट खोले

कोटा बैराज के सोमवार को भी 12 गेट खोलकर पानी की निकासी की गई। इसके बाद जिला प्रशासन ने निचली बस्तियों में अलर्ट जारी किया। अधिशाषी अभियंता भारत रत्न गौड़ ने बताया कि दो दिन एमपी के कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश हुई है। उस कारण गांधीसागर के बड़े कैचमेंट एरिया इनफ्लो साढ़े 4 लाख क्यूसेक पहुंच गया था। शुरू में उनका लेवल 1301 के आसपास चल रहा था अब बढ़कर 1310 क्रॉस कर चुका है। इसलिए अब जितना पानी आ रहा है, उसकी निकासी की कोशिश कर रहे हैं।

रात में ठंडक का अहसास

राज्य के 14 जिलों में सोमवार को बारिश के चलते तापमान 30 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। इनमें राजधानी जयपुर में तो सुबह के समय लोगों को बढ़ी ठंडक के कारण एसी और कूलर बंद हो गए। इधर सोमवार को दिन के समय सबसे कम तापमान सिरोही में 25 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा भीलवाड़ा में 26.4, उदयपुर के डबोक में 26.8, अलवर में 27 डिग्री के अलावा अधिकतर जगह 30 डिग्री से नीचे या उसके नजदीक दर्ज की गई। इधर, मौसम केंद्र जयपुर निदेशक राधेश्याम शर्मा ने कहा कि बुधवार से राज्य में भारी बारिश के दौर से राहत मिलने की प्रबल संभावना है।

संसद के विशेष सत्र में महिलाओं को मिलेगा बड़ा तोहफा!

कैबिनेट ने लगाई महिला आरक्षण बिल पर मुहर

20 सितंबर को संसद में हो सकता है पेश

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के विशेष सत्र के बीच सोमवार को पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। सूत्रों का दावा है कि मोदी कैबिनेट की बैठक में 27 साल से लंबित महिला आरक्षण बिल को मंजूरी दे दी गई है। इसके साथ ही जानकारी सामने आई है कि महिला आरक्षण विधेयक 20 सितंबर यानी आगामी बुधवार को संसद में पेश किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक कैबिनेट ने महिलाओं के लिए 33 फीसदी महिला आरक्षण को मंजूरी दी है।

मौजूदा लोकसभा में 78 महिला सदस्य चुनी गईं, जो कुल संख्या 543 का 15 प्रतिशत से भी कम है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, ओडिशा, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा और पुडुचेरी सहित कई राज्य विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से कम है।

पिछले कुछ हफ्तों में कांग्रेस, बीजू जनता दल (बीजद) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सहित कई दलों ने महिला आरक्षण विधेयक को पेश करने की मांग की है।

@ कैबिनेट बैठक

संसद का विशेष सत्र: मोदी ने किया नेहरू के 'स्ट्रोक ऑफ मिडनाइट' भाषण को याद

@ लोकसभा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित नेहरू और शास्त्री से लेकर अटल से लेकर मनमोहन सिंह तक एक बहुत बड़ी श्रृंखला है, जिसने इस सदन का नेतृत्व किया और सदन के माध्यम से देश को दिशा दी है। देश को नए रंग रूप में ढालने के लिए उन्होंने परिश्रम किया है, पुरुषार्थ किया है। आज उन सबका गौरवगान करने का अवसर है। सरदार वल्लभ भाई पटेल, लोहिया, चंद्रशेखर, आडवाणी न जाने अनगिनत नाम, जिन्होंने हमारे इस सदन को समृद्ध करने में, चर्चाओं के समृद्ध करने में, देश के सामान्य से सामान्य से सामान्य व्यक्ति को ताकत देने का काम किया है। इस मौके पर पीएम ने पुराने संसद भवन के 75 साल के ऐतिहासिक लम्हों का जिक्र किया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के संसद में दिए पहले मशहूर 'स्ट्रोक ऑफ मिडनाइट' भाषण का जिक्र किया। वहीं, उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी ने इसी सदन में कहा था कि, 'सरकारें आएंगी-जाएंगी, लेकिन यह देश रहना चाहिए'... को भी याद किया। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के योगदान पर भी चर्चा की।

राज्यसभा में खरगे ने बताया कांग्रेस ने क्या किया 70 साल में

@ राज्यसभा

विशेष सत्र के दौरान राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, "हमने जब 1950 में लोकतंत्र अपनाया, तो कई विदेशी लोगों ने सोचा कि यहां लोकतंत्र सफल नहीं हो पाएगा, क्योंकि हमारे यहां साक्षरता की बहुत कमी थी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री चर्चिल ने यहां तक कह दिया था कि अगर ब्रिटिश भारत से चले गए, तो यहां न्यायपालिका, स्वास्थ्य सेवाएं, रेलवे और उनकी तरफ़ से शुरू किए गए काम पूरी तरह तबाह हो जाएंगे। सारा सिस्टम तबाह हो जाएगा। उन्होंने हमें बहुत कम आंका। हमने लोकतंत्र को बरकरार रख उन लोगों को गलत साबित कर दिया। हमने इसे मजबूत किया और सुरक्षित रखा। आप पूछते हैं कि हमने 70 सालों में क्या किया? हमने 70 सालों में ये किया है।"

आज नए भवन में कार्यवाही

संसद के विशेष सत्र की कार्रवाई मंगलवार को नए संसद भवन में शुरू होगी। लोकसभा की कार्रवाई दोपहर के 1:15 बजे से शुरू होगी। वहीं, राज्यसभा की कार्रवाई के लिए 2:15 बजे का समय तय किया गया है।

उमंग के पलों के बीच आंसू की कही बात: प्रधानमंत्री ने कहा कि पंडित नेहरू, शास्त्री जी, अटल जी, मनमोहन सिंह जी तक देश का नेतृत्व करने वालों की बड़ी संख्या रही है। उन्होंने सदन के माध्यम से देश को दिशा दी है।

आरपीएससी की परीक्षा में पेपरलीक का मामला

आयोग के पूर्व सदस्य कटारा और मीना को भेजा जेल

ईडी ने शुक्रवार को किया था गिरफ्तार

बेधड़क | जयपुर

आरपीएससी की ओर से आयोजित शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में आरोपी रहे आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा और इस मामले में उनके सहयोगी और आरोपी रहे अनिल कुमार मीना ऊर्फ शेरसिंह मीना को अदालत ने 30 सितंबर तक न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय ने पेपर लीक मामले में इन दोनों ही आरोपियों को गत शुक्रवार को गिरफ्तार कर अदालत से तीन दिन की रिमांड प्राप्त की थी। सोमवार को रिमांड अवधि पूरी होने पर ईडी अधिकारियों ने इन्हें सोमवार धन शोधन निवारण अधिनियम-पीएमएलए कानून की जयपुर स्थित विशेष अदालत पेश किया, जहां न्यायाधीश सुनील रेनवा ने आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश पारित किए। ईडी के अधिवक्ता सुनील अग्रवाल ने आरोपियों को जेल भेजने की पुष्टि की है।

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार बताया जाता है कि ईडी अधिकारियों ने दोनों आरोपियों को पहले अलग-अलग और फिर आमने-सामने बैठा कर पूछताछ की। सूत्र बताते हैं कि दोनों आरोपियों से पेपर लीक मामले के कथित मुख्य सूत्रधार को लेकर भी अनेक सवाल किए। माना जा रहा है कि ईडी पेपर लीक मामले में अपनी जांच के दायरे को और बढ़ा सकता है।

PRN क्षेत्र में आज से मिलेगा बीसलपुर का पानी

बेधड़क | जयपुर

राजधानी के पृथ्वीराज नगर क्षेत्र के 30 वर्ग किमी में लगभग 924 कॉलोनियों को मंगलवार को बीसलपुर का पानी मिलेगा। जलदाय मंत्री महेश जोशी मंगलवार सुबह सिरसी रोड़ स्थित श्रीवन उद्यान में पृथ्वीराज नगर क्षेत्र में रंगोली गार्डन वितरण क्षेत्र की 53 कॉलोनियों में पेयजल वितरण तंत्र का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक गोपाल मीणा, मंत्री लालचन्द कटारिया भी मौजूद रहेंगे। पेयजल योजना के अन्तर्गत 09 स्वच्छ जलाशय, 19 उच्च जलाशय तथा 1000 कि.मी. पाईपलाईन का कार्य किया जाना सम्मिलित है।

टिकट वितरण की कवायद

राजस्थान में भाजपा मोदी, तो कांग्रेस राहुल गांधी के दौरे के बाद निकालेगी पहली सूची

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के विधानसभा चुनावों को लेकर टिकट के दावेदारों की ग्राउंड रिपोर्ट दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों तक पहुंच चुकी है। अब प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने की कवायद कांग्रेस और भाजपा सहित अन्य दलों ने भी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद दोनों दल प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करेंगे। बताते हैं पहले भाजपा सितंबर के अंतिम सप्ताह में करीब दो दर्जन से अधिक प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करेगी।

राहुल 23 को, तो मोदी 25 को आएंगे जयपुर

केंद्रीय चुनाव समिति तय करेगी नाम

पीएम मोदी की जयपुर में 25 सितंबर को होने वाली सभा के बाद भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक बुलाई जाएगी। इसमें प्रदेश के कोर कमेटी व सभी कमेटियों के सदस्य भी शामिल होंगे। इस बैठक में नामों पर अंतिम मुहर लगेगी। वहीं 23 को राहुल गांधी के जयपुर दौरे के बाद कांग्रेस भी मंथन करने के बाद पहली सूची संभवत: अक्टूबर में जारी करेगी। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि प्रदेश चुनाव समिति की बैठक के बाद टिकट फाइनल होंगे। प्रदेश इलेक्शन कमेटी की अगली बैठक में इसको लेकर चर्चा की जाएगी। चुनाव समितियों द्वारा जिलों में जाकर लिए गए फीडबैक पर चर्चा होगी। उसके बाद रिपोर्ट बनाकर केंद्रीय चुनाव समिति को दी जाएगी।

स्क्रीनिंग कमेटी कर चुकी अपना काम

डोटासरा ने कहा कि दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद टिकट फाइनल होंगे। नामों को लेकर स्क्रीनिंग कमेटी अपना काम कर चुकी है। माना जा रहा है कि कांग्रेस और भाजपा की पहली सूची में दो-दो दर्जन नाम शामिल होंगे। भाजपा की पहली सूची में राजेंद्र राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जैसे नाम शामिल होंगे तो कांग्रेस की सूची में सीएम अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा, पायलट जैसे के नाम शामिल होंगे।

जरूरी खबर

सीएम गहलोत की याचिका पर फैसला आज

जयपुर। मानहानि मामले को लेकर दायर की गई मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की याचिका पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट मंगलवार को फैसला सुनाएगी। मानहानि मामले में सीएम गहलोत ने खुद को आरोप मुक्त करने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। इस पर कोर्ट के जज हरजीत सिंह जसपाल की अदालत ने दोनो पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। मामले की सुनवाई में गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए थे। इस याचिका में गहलोत ने उन्हें मानहानि के आरोप से मुक्त करने की मांग की है।

72 घंटे में सूचना देने पर मिलेगा खराबे का मुआवजा

जयपुर। बारिश के कारण खराब हो रही फसल का बीमा किसान को मिलेगा। इसके लिए प्रभावित बीमित फसल के किसान को 72 घण्टे के भीतर खराबे की सूचना सम्बन्धित जिले में कार्यरत बीमा कम्पनी को देनी होगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत नुकसान की भरपाई हो सकेगी। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बताया कि राज्य में कुछ स्थानों पर असामयिक वर्षा के कारण खरीफ की फसलों में नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत असामयिक वर्षा के कारण फसल कटाई उपरान्त खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को 14 दिन की अवधि में नुकसान होने पर व्यक्तिगत आधार पर बीमा आवरण उपलब्ध है।

लक्ष्मणगढ़ में बनेगा मिनी सचिवालय

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लक्ष्मणगढ़ (सीकर) में मिनी सचिवालय की स्थापना के लिए डीपीआर का अनुमोदन करते हुए वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्माण कार्यों पर 3 करोड़ रुपए की राशि खर्च करने की स्वीकृति दी है। गहलोत की इस स्वीकृति से 5311.75 वर्गमीटर क्षेत्र में मिनी सचिवालय का निर्माण कार्य होगा। इसके निर्माण पर कुल 11 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत आएगी, जिसमें से चालू वित्तीय वर्ष में 3 करोड़ रुपए व्यय करने की स्वीकृति दी गई है।

पीसीसी कार्यालय भवन का शिलान्यास, निर्माण में 80 करोड़ की आएगी लागत

खरगे व राहुल 23 को रखेंगे नींव, हर बूथ से जुटेंगे कार्यकर्ता

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए कार्यालय भवन के शिलान्यास के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 23 सितंबर को जयपुर आएंगे। शीर्ष नेताओं के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारी को लेकर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने जमीन पर दौरा किया और दौरे की तैयारियों को लेकर बैठक ली।

मानसरोवर में बन रहे नए मुख्यालय भवन की नींव रखने वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष जयपुर आएंगे। शिलान्यास के बाद यह कांग्रेस की सभा और

कार्यकर्ताओं से संवाद भी करेंगे। इस सभा के जरिए कांग्रेस चुनावी अभियान की शुरुआत करेगी।

इस सभा के जरिए कांग्रेस के बूथ लेवल से लेकर जिला स्तर तक के पदाधिकारियों को चुनावी टास्क दिए जांएगे। कांग्रेस के 52 हजार बूथ अध्यक्षों, 2200 मंडल अध्यक्षों, 400 ब्लॉक अध्यक्षों, 40 जिलाध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों को इस सभा में बुलाया गया हैं। प्रदेश में 52 हजार बूथ से कांग्रेस पदाधिकारी और अन्य कार्यकर्ता सम्मेलन में आएंगे।

प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने बताया कि सम्मेलन में संगठन के पदाधिकारी जिसमें जिला, ब्लॉक, मंडल और बूथ के अध्यक्ष, कार्यकारिणी के पदाधिकारी शामिल हों, इसके लिए प्रभारी पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष रूपरेखा तैयार कर बूथ अध्यक्षों की सूची 20 सितम्बर तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजेंगे। सम्मेलन में प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और बूथ अध्यक्षों को पार्टी द्वारा जारी पहचान पत्र भी दिए जाएंगे।

हर कार्यकर्ता से नए भवन के सहयोग के लिए आह्वान

डोटासरा ने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रस्तावित दौरे को लेकर पूरी तैयारी हो चुकी है। नए भवन का नक्शा पास हो गया हैं। कार्यक्रम में प्रदेश की कार्यकारिणी और फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशन के पदाधिकारी शामिल होंगे। साथ ही संगठन के स्ट्रक्चर को लीड करने वाले लोग इसमें भाग लेंगे। डोटासरा ने कांग्रेस के हर कार्यकर्ता से नए भवन के लिए सहयोग करने के लिए आह्वान किया गया।

मानसरोवर में बनेगा मुख्यालय

डोटासरा ने कहा कि सरकार से हमने नए भवन के लिए जमीन आवंटित करवाकर औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। वहीं मिली जानकारी के अनुसार मानसरोवर में द्रव्यवती रिवर फ्रंट के पास नए सिटी पार्क के सामने पीसीसी की बिल्डिंग बनाई जाएगी। इसके लिए सरकार की ओर से 6000 वर्ग गज जमीन अलॉट की जा चुकी हैं। माना जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में करीब 80 करोड़ की लागत आएगी। वहीं कांग्रेस के नए मुख्यालय में पीसीसी चीफ से लेकर सभी संगठन के पदाधिकारियों के चैंबर बनाए जाएंगे। जिनमें यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, सेवा दल के ऑफिस इसी मुख्यालय में होंगे। इसके अलावा नए मुख्यालय में कांग्रेस के इतिहास के बारे में जानकारी देने के लिए एक छोटा म्यूजियम भी बनाया जाएगा। इसमें हर मंजिल पर छोटे कॉन्फ्रेंस हॉल और एक बड़ा कॉन्फ्रेंस हॉल बनेगा। नए मुख्यालय में कैफेटेरिया, जिम, लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं होंगी। मुख्यालय में अलग से पार्किंग होगी।

चुनावी रणनीति: पानी की मांग पर भाजपा को घेरेगी कांग्रेस

BJP की रणनीति को चुनौती देगी कांग्रेस की जन आशीर्वाद यात्रा

■ 25 से 29 सितंबर तक निकलेगी जन आशीर्वाद यात्रा, सीएम भी होंगे शामिल

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में पानी की मांग को लेकर कांग्रेस ने भाजपा को घेरने का प्लान तैयार कर लिया हैं। कांग्रेस ईआरसीपी के मुद्दे को लेकर 25 से 29 सितंबर तक पांच दिवसीय जन आशीर्वाद यात्रा निकालेगी। इस यात्रा में सीएम अशोक गहलोत भी भाग लेंगे। जन आशीर्वाद यात्रा प्रदेश के 13 जिलों से होकर गुजरेगी।

जिसमें करीब आधी विधानसभा क्षेत्र कवर करने को लेकर प्लान तैयार किया गया हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों की माने तो यह यात्रा प्रदेश के उन 13 जिलों की उन विधानसभा सीट के लिए चुनावी मुद्दा बनेगा। जहां पर ईस्टर्न कैनाल परियोजना की मांग को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार से मांग कर रही हैं।

वहीं प्रदेश में बिना सीएम का नाम घोषित किए विधानसभा चुनावों में भाजपा के पीएम नरेन्द्र मोदी व अमित शाह के चेहरे पर चुनाव लड़ने की रणनीति को कांग्रेस की यह जन आशीर्वाद यात्रा चुनौती देंगी। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और मोदी व शाह के नाम पर भाजपा चुनावी मैदान में उतर रही हैं। इस रणनीति और भाजपा की परिवर्तन यात्रा का पलटवार कांग्रेस की यह यात्रा मानी जा रही हैं।

ईआरसीपी के मुद्दे पर कांग्रेस निकालेगी 5 दिन की यात्रा

यात्रा का सीएम गहलोत करेंगे नेतृत्व

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस यात्रा का नेतृत्व करेंगे। इसको लेकर सीएम के निर्देशन में तैयारियां की जा रही हैं। पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर कांग्रेस विधानसभा चुनाव में वोट मांगेगी। पूर्वी राजस्थान में कांग्रेस की स्थिति भाजपा से काफी मजबूत रही हैं। इसलिए इस मजबूती को बनाए रखने के लिए 5 दिन तक कांग्रेस लगातार जनजागरण और पदयात्राएं करेगी। इनमें अलवर, करौली, जयपुर, अजमेर, बारां, भरतपुर, दौसा, झालावाड़, कोटा, सवाई माधोपुर, टोंक, बूंदी और धौलपुर जिले शामिल हैं। अबकी बार फिर पूर्वी राजस्थान में ईआरसीपी को मुद्दा बनाकर चुनावी मैदान में उतरने की कांग्रेस ने रणनीति बनाई है।

सभा भी होगी, भाजपा को करेंगे एक्सपोज

पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि 13 जिलों में रैली निकाली जाएगी। सभी जिलों के नेता और पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में रैली निकालते हुए मुख्य रैली में शामिल होंगे। सभी जिलों में सभा का आयोजन किया जाएगा। ईआरसीपी को लेकर जागरूकता फैलाकर भाजपा को एक्सपोज करेंगे। भाजपा ने ईआरसीपी को जानबूझकर अटकाने का काम किया हैं। रैली में ईआरसीपी के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी होगा। डोटासरा ने कहा कि मोदी जी 9 साल में दो बार ईआरसीपी देने का वादा कर चुके हैं। लेकिन अभी तक उस पर कुछ नहीं किया।

यात्रा के हाईटेक रथ तैयार

पांच दिन निकलने वाली जन आशीर्वाद यात्रा के लिए हाईटेक रथ तैयार किया जा रहा है। जिसमें सीएम अशोक गहलोत, पीसीसी के डोटासरा, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत कई अन्य नेता मौजूद रहेंगे। यात्रा के दौरान अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में नुक्कड़ सभाओं का भी आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी के तमाम नेता सरकार के कामकाज का बखान करेंगे और ईआरसीपी के मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार को घेरते हुए नजर आएंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में CM की सौगात

99 महाविद्यालयों के लिए 30 करोड़, 4 निजी कॉलेज बनेंगे सरकारी

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में शिक्षा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इसके तहत उन्होंने प्रदेशवासियों को सौगात दते हुए 99 महाविद्यालयों के लिए 30 करोड़ रुपए के बजट प्रावधान को मंजूरी दी है। इनमें सह शिक्षा के 72 महाविद्यालय एवं 27 कन्या महाविद्यालय शामिल हैं।

इस राशि में से 28 करोड़ रुपए इन महाविद्यालयों में अतिरिक्त 114 कक्षा कक्षों के निर्माण पर व्यय किए जाएंगे और 2 करोड़ रुपए आवश्यक मरम्मत कार्य एवं फर्नीचर खरीदने के लिए खर्च होंगे। मुख्यमंत्री गहलोत ने राज्य के 4 निजी महाविद्यालयों को राजकीय महाविद्यालयों में परिवर्तित किए जाने की मंजूरी दी है। इन महाविद्यालयों में हनुमानगढ़ जिले के मीरा कन्या महाविद्यालय, संगरिया एवं ग्रामीण कन्या महाविद्यालय, भादरा शामिल हैं। वहीं श्रीगंगानगर के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, रायसिंहनगर एवं ज्ञान ज्योति महाविद्यालय,

मा. शिक्षा के लिए 107.71 करोड़ मंजूर

सीएम गहलोत ने माध्यमिक शिक्षा के लिए 107.71 करोड़ रुपए के अतिक्ति बजट प्रावधान को मंजूरी दी है। शिक्षा अभियान के तहत पूर्व में कुल राज्यांश राशि 152.96 करोड़ में से 45.24 करोड़ रुपए एसएनए खाते में भेजे जा चुके हैं। अब शेष राशि 107.71 करोड़ रुपए के लिए अतिरिक्त वित्तीय मंजूरी दी गई है। इस राशि को एसएनए खाते में हस्तांतरण को भी मंजूरी दी है।

श्रीकरणपुर को भी राजकीय महाविद्यालय में परिवर्तित किया जाएगा। इन चारों महाविद्यालयों के कार्मिकों को राजस्थान कॉलेज एजुकेशन सोसायटी के नियमों के तहत राजकीय सेवा में लिए जाने की भी सहमति दी है।

देवनारायण आवासीय विद्यालय होगा शुरू

गहलोत ने टहला (अलवर) में देवनारायण बालिका आवासीय विद्यालय प्रारंभ करने की स्वीकृति दी है। यह आवासीय विद्यालय 280 की क्षमता वाला होगा और यह कक्षा 6 से 12 तक संचालित होगा। विद्यालय में 11वीं एवं 12वीं कक्षा में विज्ञान संकाय में अध्ययन कराया जाएगा। इस आवासीय विद्यालय के लिए 23 नवीन पदों के सृजन को भी मंजूरी दी है।

लोकसभा में बोले सांसद हनुमान बेनीवाल...

हंगामें के बीच जनता के मुद्दे गुम

बेधड़क | जयपुर

जब लोक सभा शुरू होती है तो बेरोजगार, किसान सभी सांसदो के पास आते हैं और उनका मुद्दा उठाने की मांग करते है, लेकिन पिछला सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया और जनता के मुद्दे गौण हो गए। ये बात राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोमवार को कहीं। उन्होंने संसद के कार्य दिवसों को लेकर कहा कि पांच वर्षों में पहली संसद 677 दिन चली, पांचवी संसद 613 दिन, आठवी संसद 485 दिन, 16वीं संसद 331 दिन और वर्तमान 17वीं लोकसभा अभी तक 230 दिन ही चल पाई। उन्होंने कहा कि आज लोकसभा में लोकतंत्र की गरिमा की बात करते, लेकिन

सांसदों को संसद में सवाल लगाने, शून्य काल में मुद्दे उठाने के जो अधिकार हैं वो तो इस सत्र में दिए ही नही। चुनी हुई सरकारें जब ऐसे मुद्दों का समाधान नहीं निकालती है तो विकास के दुसरे मुद्दे गौण नजर आते हैं।

बेनीवाल सोमवार को लोक सभा में संविधान सभा से अब तक के 75 वर्षो तक की यात्रा, उपलब्धिया, अनुभव और सीख पर हुई चर्चा में भाग ले रहे थे। बेनीवाल ने लोक सभा में कहा की उनकी पार्टी के साथ एनडीए का गठबंधन हुआ वो लोक सभा सांसद बने, लेकिन गठबंधन का बड़ा फायदा भाजपा को भी हुआ। बाबा साहब ने संविधान में शोषित, पिछड़े वर्ग को जो हक़ दिए उससे लोकतंत्र सशक्त बना है।

नेता प्रतिपक्ष के बयान पर पीसीसी चीफ का पलटवार...

रावण भी एक विद्वान ब्राह्मण था: डोटासरा

बेधड़क | जयपुर

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा के बीच जुबानी जंग जारी हैं। राठौड़ की ओर से लक्ष्मणगढ़ में डोटासरा को अहंकारी रावण बताने वाले बयान पर सोमवार को पीसीसी चीफ ने पलटवार किया हैं। डोटासरा ने राठौड़ को जवाब देते हुए कहा कि रावण एक विद्वान ब्राह्मण था। राठौड़ और भाजपा के लोग कभी ब्राह्मण कभी जाट तो कभी ओबीसी पर बयान देते रहते हैं। डोटासरा ने भाजपा नेताओं के बयानों को बौखलाहट बताते हुए कहा कि राठौड़ और भाजपा के लोग पार्टी के विजन और केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते तो अच्छा रहता। डोटासरा ने कहा कि राठौड़ चूरू से चुनाव नहीं लड़ेंगे और लड़ेंगे भी तो 100 फीसदी हारेंगे। उन्होंने राठौड़ को बाहरी बताते हुए कहा कि वह हनुमानगढ़ से आकर चूरू में चुनाव लड़े और अब वहां से भी भागना चाहते है। भाजपा के लोग आपस में संगठित नहीं हैं।

भाजपा की परिवर्तन यात्रा रामलीला जैसी

वहीं डोटासरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक राजस्थान में पांच अलग-अलग जगह चुनावी सभा कर चुके हैं। लेकिन उनकी पांच सभा के बराबर भीड़ तो राहुल गांधी की मानगढ़, मल्लिकार्जुन खड़गे की भीलवाड़ा और प्रियंका गांधी की निवाई में हुई हर सभा में मौजूद थी। वहीं भाजपा की परिवर्तन यात्रा की तुलना रामलीला से करते हुए पीसीसी चीफ ने कहा कि भाजपा की परिवर्तन यात्रा में तो लोगों की मौजूदगी ना के बराबर हैं। भाजपा की परिवर्तन यात्रा चुनावी यात्रा कम और रामलीला ज्यादा दिखाई दे रही हैं।

गजेंद्र सिंह को माफ कर दें व्यास

वहीं डोटासरा ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह द्वारा विधायक सूर्यकांता व्यास पर दिए गए बयान को लेकर कहा कि सूर्यकांत वरिष्ठ विधायक हैं। उन्हें गजेंद्र सिंह को माफ कर देना चाहिए। नेतृत्व की लड़ाई में गजेंद्र सिंह बौखलाहट में बयान बाजी कर रहे हैं। जनता राजस्थान में परिवर्तन नहीं कांग्रेस को रिपीट होना देखना चाहती हैं। भाजपा के लोग पार्टी में परिवर्तन लाना चाहते हैं। भाजपा के लोग अब आपस का परिवर्तन कर रहे हैं।

परिवर्तन यात्रा में भाजपा का सरकार पर प्रहार

खुद के बिजली प्लांट बंद कर प्राईवेट बिजली खरीद रही सरकार: राठौड़

बेधड़क | जयपुर/झुंझनू

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं, बच्चियों के साथ अनाचार, अत्याचार, उत्पीड़न व दुष्कर्म की घटनाए चरम पर है। प्रदेश के किसी भी कोने में महिला सुरक्षित नहीं है। प्रदेश में बिजली कटौती का संकट बना हुआ है।

अघोषित बिजली कटौती के कारण जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें किसान वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। आज बिजली के तीनों डिस्कॉम घाटे में चल रहें है। सरकार खुद के थर्मल पावर प्लांट

बंद कर प्राइवेट कंपनियों से मंहगी बिजली खरीद रही है। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार इस कदर है कि आम जनता का काम बिना पटवारियों को कमीशन दिए बैगर नहीं होता है। झुंझुनू के नवलगढ़ में राठौड़ ने मीडिया से कहा कि कांग्रेस सरकार 2018 के चुनाव में किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने का वादा करती है, लेकिन जब सत्ता में आती है तो कर्जमाफी का वादा भूल जाती है। युवाओं को बेराजगारी भत्ते का वादा किया था।

उसके लिए बनाई गई कल्ला कमेटी की रिपोर्ट आज तक नही आई। वादा कर्जमाफी का किया और बदले में किसानों की जमीनें नीलाम हो गई और खाते एनपीए हो गए। कांग्रेस सरकार में कुर्सी की लड़ाई पूरे पांच साल चली है। इनके यहां दो टीमें बनी हुई हैं टीम-ए और टीम-बी जिनके बीच हमेशा लड़ाई चलती रही है।

कांग्रेस के काले कारनामे आ रहे सामने

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने बस्सी में मीडिया से कहा कि कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार की परतें अब खुलने लगी हैं। ईडी की कार्रवाई जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी इस सरकार के काले कारनामे उजागर होते जाएंगे। प्रदेश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ इस सरकार ने जो खिलवाड़ की है वह क्षमा करने योग्य नहीं है। कांग्रेस सरकार ने कर्जमाफी के झूठे वादे के कारण आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया है। हजारों किसानों की जमीनें नीलाम हो गई।

रामगढ़ बांध भरने की बात केवल जुमला

विधायक कालीचरण सराफ ने कहा कि संकल्प यात्रा में जनता का मिल रहा अपार जनसमर्थन बताता है कि जनता का मन क्या है। जनता इस भ्रष्टाचार वाली कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने को तैयार है। कांग्रेस सरकार ने रामगढ़ बांध को भरने की जो घोषणा की है वह महज चुनावी जुमलेबाजी है। इस दौरान प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एंव यात्रा सह-संयोजक जितेन्द्र गोठवाल भी मौजूद रहे।

दुनियां के कई देश अपना रहे गुजरात मॉडल

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने छबड़ा में अहिंसा सर्किल पर परिवर्तन यात्रा के दौरान आयोजित सभा में कहा कि गुजरात के विकास मॉडल को देश के कई राज्य ही नहीं दुनिया के कई देश अपना रहे हैं। यही कारण है कि आज भारत विश्व में विकास को लेकर पांचवीं पायदान पर पहुंचा है। इसके पीछे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच व सकारात्मक विजन है। राजस्थान को विकास के मामले में आगे बढ़ाने के लिए परिवर्तन की लहर चल रही है। आने वाले विधानसभा चुनाव में यहां भी भाजपा की सरकार बनेगी।

कांग्रेस राज में थमा प्रदेश का विकास

वहीं छबड़ा की सभा में क्षेत्रीय विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने कहा कि मौजूदा कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश का विकास थम गया है। हालत यह है कि प्रदेश में 19 हजार कर्जदार किसानों की डिक्री हो चुकी है। नौजवानों को रोजगार व बेरोजगारी भत्ता नहीं मिल रहा है। महात्मा गांधी प्रेरक के नाम पर कार्यकर्ताओं को उपकृत किया जा रहा है, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगा दी है। छबड़ा में दंगा पीड़ितों की अभी तक नुकसान की भरपाई नहीं हुई है। उन्होंने दबाव बनाकर सरकार से राशि मंजूर करवाई थी।

जरूरी खबर

जेडीए ने दो अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन-14 में निजी खातेदारी की करीब छह बीघा कृषि भूमि पर बन रही दो अवैध कॉलोनियों को सोमवार को ध्वस्त किया गया। साथ ही जोन-13 में सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेंद्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-14 के क्षेत्राधिकार में चंदलाई मोहनपुरा में करीब 4 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के और बिना भूरूपान्तरण कराएं भूमि को समतल कर रिद्धी-सिद्धी नगर के नाम से अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। इसे जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया। वहीं जोन-14 के सावन्त का बास में बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण कराएं गोवर्धन वाटिका सिटी के नाम से बनाई जा रही अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त किया गया।

हाउसिंग बोर्ड कर्मचारियों का विरोध-प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल कर्मचारी संघ ने सोमवार को काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। संघ ने प्रदर्शन सरकार के दि राजस्थान स्टेट पावर फाइनेंस एंड फाइनेंशियल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड को एक हजार करोड़ रुपए ट्रांसफर करने और करोड़ों रुपए कीमत की जमीन लेकर उस पर प्रोजेक्ट बनाने के विरोध में किया गया। संघ के प्रदेशाध्यक्ष दशरथ सिंह और संयुक्त महामंत्री गोविंद नाटाणी ने कहा कि अगर सरकार के निर्देश पर बोर्ड प्रशासन राशि निवेश के प्रयास करता है तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

गणेश चतुर्थी पर विशेष: राजधानी की रक्षा के लिए दसों दिशाओं में स्थापित हैं प्रथम पूज्य गणपति

आज घर-घर गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना

बेधड़क.जयपुर। गणेश चतुर्थी मंगलवार को धूमधाम से मनाई जाएगी। शहर के प्रमुख मंदिरों में गणेश जन्मोत्सव पर विशेष झांकी और पूजन आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर शहर के प्रमुख मंदिर मोती डूंगरी, गढ़ गणेश जी, नहर के गणेश जी, बंगाली बाबा गणेश मंदिर, परकोटे के गणेश जी, ध्वजाधीश गणेश मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भगवान का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। मोदक और दूर्वा चढाई जाएगी। इस अवसर पर मंदिरों की विशेष सजावट की गई है। भगवान के दर्शनों के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। भिंडों के रास्ता स्थित गणेश मंदिर को लेकर मान्यता है कि भगवान के सात दिन तक लड्डू चढ़ाने से विवाह शीघ्र हो जाता है।

फोटो: राजेश कुमावत/पंकज शर्मा

मोती डूंगरी गणेश मंदिर

मोतीडूंगरी की तलहटी में स्थापित गणेश प्रतिमा जयपुर नरेश माधोसिंह प्रथम की पटरानी के पीहर मावली से 1761 ई. में लाई गई थी। जयपुर के नगर सेठ पल्लीवाल यह मूर्ति लेकर आए थे और उन्हीं की देख-रेख में मोती डूंगरी की तलहटी में इस मंदिर को बनवाया गया था। मंदिर को लेकर लोगों की मान्यता है कि यदि कोई भी व्यक्ति नया वाहन खरीदता है, तो उसे सबसे पहले मोती डूंगरी गणेश मंदिर में लाने की परंपरा है। नवरात्रा, रामनवमी, दशहरा, धनतेरस और दीपावली जैसे खास मुहूर्त पर वाहनों की पूजा के लिए यहां लंबी कतारें लग जाती हैं। लोगों का ऐसा मानना है कि नए वाहन की यहां लाकर पूजा करने से वाहन का एक्सीडेंट नहीं होता। इसके अलावा यहां शादी के समय पहला निमंत्रण-पत्र मंदिर में चढ़ाने की परंपरा है। मान्यता है कि निमंत्रण पर गणेश उनके घर आते हैं और शादी-विवाह के सभी कार्यों को शुभता से पूर्ण करवाते हैं।

मेले के अवसर पर बदलेगी यातायात व्यवस्था

श्री गणेश चतुर्थी मेले को देखते हुए यातायात पुलिस ने जेएलएन मार्ग पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। पुलिस के अनुसार बुधवार को मेला समाप्ति तक त्रिमूर्ति सर्किल से जेडीए चौराहा, आरबीआई तिराहा से तख्तेशाही रोड और धर्म सिंह सर्किल से गणेश मंदिर तक आवागमन निषेध रहेगा। इसके अलावा नारायण सिंह सर्किल से यातायात को डायवर्ट किया जाएगा। दिल्ली से आने वाली बसें चंदवाजी से डायवर्ट की जाएंगी। आगरा रोड की ओर से आने वाली बसें जवाहर नगर की ओर डायवर्ट की जाएंगी।

मेले के दौरान रहेगी विशेष सुरक्षा व्यवस्था

गणेश चतुर्थी पर दर्शन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। डीसीपी ईस्ट ज्ञानचंद्र यादव ने बताया कि दर्शनार्थियों को भगवान के दर्शन करने में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पहले पुलिस कमिश्नर और एडिशनल कमिश्नर की विजिट हुई। उन्हीं के निर्देश पर 8 एडिशनल डीसीपी, 15 एसीपी और करीब 800 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। इसके अलावा पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे, बेरिकेडिंग और मेटल डिटेक्टर गेट लगाए गए हैं। इसके अलावा सादा वर्दी में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। ये पुलिसकर्मी तीन शिफ्ट में व्यवस्थाएं संभालेंगे। यहां श्रद्धालुओं के लिए आठ लाइन बनाई गई है, जिसमें आम श्रद्धालु और पासधारक की अलग-अलग लाइन रहेगी

गढ़ गणेश मंदिर,नाहरगढ़

ब्रह्मपुरी क्षेत्र में नाहरगढ़ की पहाड़ी पर उत्तरी दिशा में राजा सवाई जयसिंह ने सर्वप्रथम गणेश मंदिर की स्थापना की थी। बताया जाता है कि जयपुर निर्माण के समय हुए अश्वमेघ यज्ञ की भस्मि से भगवान के बाल स्वरूप को बनाया गया था। यहां भगवान गणेश जी की एकमात्र बिना सूंड के प्रतिमा स्थापित है। सवाई जयसिंह और यज्ञ करवाने वाले पुरोहितों का मानना था कि इससे भगवान श्रीगणेश की निगाह पूरे शहर पर बनी रहेगी। 500 फीट की ऊंचाई पर बने गढ़ गणेश मंदिर तक पहुंचने के लिए हर रोज एक सीढ़ी बनाई गई। इस तरह पूरे 365 दिन तक एक-एक सीढ़ी का निर्माण चलता रहा।

बंगाली बाबा गणेश मंदिर

दिल्ली रोड पुरानी चुंगी स्थित श्री गणेश मंदिर, जयपुर के सबसे पुराने मंदिरों में से एक माना गया है। श्री गणेश भगवान की मूर्ति पहाड़ों में ही पाई गई थी। 1950 के लगभग श्री आत्माराम बंगाली बाबा महाराज ने मंदिर में पूजा-अर्चना प्रारंभ की और मंदिर का जीर्णोधार कराया। मंदिर का संचालन बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। गणेश चतुर्थी के दिन यहां विशाल मेला आयोजित किया जाता है।

परकोटे के गणेश जी

चांदपोल गेट के बाहर स्थित परकोटे के गणेश जी मंदिर महंत राहुल शर्मा ने बताया कि करीब 300 साल पुरानी यह मूर्ति आज भी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी कर रही है। परकोटे के निर्माण के दौरान गणेशजी महाराज यहां ही प्रकट हुए। यह मूर्ति प्राकृतिक और चमत्कारिक मूर्ति हैं, इसे किसी ने स्थापित नहीं किया है। जयपुर के विकास के लिए इनकी पूजा शुरू हुई और धीरे-धीरे गणेशजी की आस्था बढ़ती गई। आज अमेरिका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया आदि में गणेशजी के भक्त हैं। ये भक्त जब भी जयपुर आते हैं, गणेशजी के दर्शन करने जरूर आते हैं।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

गणेश जी का सिंजारा मनाया

राजधानी के प्रमुख गणेश मंदिरों में गणेश चतुर्थी से पहले सोमवार को सिंजारा उत्सव मनाया गया। इसमें भगवान गणेश को मेहंदी अर्पित करते हुए असंख्य लड्डुओं का भोग लगाया गया। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सोजत से मंगाई गई 3500 किलो मेहंदी अर्पित करने के बाद यही मेहंदी श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में वितरित की गई। मान्यता है कि भगवान को धारण कराई गई मेहंदी बहुत शुभ होती है और जो अविवाहित युवक और युवती इस मेहंदी को लगाते हैं, उनकी शादी भी जल्द हो जाती है। ऐसे में इस मेहंदी प्रसाद को लेने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ भी देखने को मिली। सिंजारा उत्सव के दौरान भगवान गणेश को हीरे जड़े सोने का मुकुट धारण कराते हुए चांदी के सिंहासन पर विराजमान कराया गया।

नहर के गणेशजी मंदिर में सजाई मोदकों की झांकी

नहर के गणेश मंदिर जयपुर में स्थित एक अनोखा मंदिर माना जाता है। करीब 250 साल पुराना गजानन का ये मंदिर नाहरगढ़ पहाड़ी के तलहटी में बसा हुआ है। नहर के गणेश मंदिर जयपुर में स्थित एक अनोखा मंदिर माना जाता है। करीब 250 साल पुराना गजानन का ये मंदिर नाहरगढ़ पहाड़ी के तलहटी में बसा हुआ है। नहर किनारे होने के कारण मंदिर का नाम ही नहर वाले गणेशजी पड़ गया। यहां पर दाहिनी सूंड वाले दक्षिणमुखी भगवान गणेश विराजे हैं।

श्वेत सिद्धि विनायक मंदिर

सूरजपोल बाजार स्थित श्वेत सिद्धि विनायक की स्थापना जयपुर के राजा सवाई राम सिंह ने कराया था। भगवान गणेश की पूर्वमुखी प्रतिमा होने के कारण सुबह के समय सर्वप्रथम सूर्य की किरणें भी उदय होते ही सबसे पहले प्रथम पूज्य गणेश बप्पा के चरण स्पर्श करती हैं। मंदिर में स्थापित गणेश जी की मूर्ति सफेद रंग के संगमरमर से बनी है इसलिए इस मंदिर को श्वेत सिद्धिविनायक के नाम से जाना जाता है। यहां के महंत मोहन लाल शर्मा ने बताया कि भगवान गणेश जी की प्रतिमा में पांच सर्प भी विद्यमान है। जो भी भक्त सात बुधवार भगवान के दर्शन करने आता है। उसकी समस्त मनोकामना पूरी होती है। गणेश चतुर्थी पर मंदिर में भगवान गणेश के निमित्त 1008 लड्डूओं की हवन में आहूति दी जाएगी।

दसों दिशाओं में गणेश मंदिर

राजधानी जयपुर की स्थापना के समय राजाओं ने शहर की रक्षा के लिए दसों दिशाओं में गणपति की स्थापना की गई थी। बाहरी आक्रांताओं से रक्षा और शहरवासियों की सुख समृद्धि के लिए भगवान गणेश की स्थापना की गई थी। इनमें सर्व प्रथम गंगापोल गेट पर भगवान की स्थापना की गई। इसके बाद कृष्णपोल, रामपोल सांगानेरी गेट, शिवपोल घाटगेट, सूरजपोल और ध्रुवपोल जोरावर सिंह गेट पर भी भगवान गणपति की स्थापना की गई। शहर की सुख समृद्धि के लिए प्रमुख मंदिरों को भी बनवाया गया।

सच बेधड़क की पड़ताल

पुलिस कमिश्नरेट में करप्शन की कम्प्लेंट या फिर सिफारिश पर तबादले!

- पुलिस कमिश्नरेट में 50 दिन बाद ही किए 22 इंस्पेक्टरों के तबादले
- जुलाई माह के अंत में किए गए ट्रांसफर पर सौंपी गई थी थानों की कमान
- 16 एसएचओ के थाने बदले तो 6 एसएचओ को किया नॉन फील्ड

बेधड़क
एक्सक्लूसिव

ओमप्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट में 50 दिन में ही पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने इंस्पेक्टर रेंक के पुलिसकर्मियों का तबादला करके सबसे चौंका दिया।

44 इंस्पेक्टरों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। इनमें से 22 इंस्पेक्टरों को तत्कालीन पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने पुलिस थानों की जिम्मेदारी दी थी, लेकिन मौजूदा पुलिस कमिश्नर ने 22 में से 16 एसएचओ के थाने बदल दिए और 6 को नॉन फील्ड कर दिया। हालांकि उनको ट्रैफिक या फिर ऑफिस के कामकाज के जिम्मेदारी दी है। अब सवाल यह है कि क्या इन इंस्पेक्टरों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें थी या फिर सिफारिश पर तबादले हुए हैं।

आदेशों के अनुसार अब इंस्पेक्टर चंद्रभान सिंह, कविता शर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, अनिल मूंड, राजेंद्र गोदारा और राजेंद्र कुमार को थाने की जिम्मेदारी दी है। जबकि अजयकांत रतूडी, अशोक चौधरी, धर्म सिंह मीणा, मनीष कुमार, पूरण मल यादव व भगवान सहाय को थाने हटाकर दूसरी कमिश्नरेट में दूसरी जिम्मेदारी दी है। इन पुलिसकर्मियों को जुलाई माह के अंत में थाने की कमान सौंपी गई थी।

पांच को बड़े थानों की जिम्मेदारी

सच बेधड़क की पड़ताल में सामने आया कि थानों में तैनात पांच इंस्पेक्टरों को अब बड़े थानों की जिम्मेदारी दी है। इनमें इंस्पेक्टर भजनलाल, गोतम डोटासरा, राजकुमार मीणा, हरीश चंद व दिगपाल सिंह को बड़े थाने की जिम्मेदारी दी है, जबकि बलवीर सिंह कस्वा, सुधीर उपाध्याय व दलबीर सिंह को लॉ एंड आर्डर जिन थाना इलाकों में रहता है, वहां पर लगाया है।

पहली बार 9 महिला एसएचओ के पास थानों की कमान

हाल ही में जारी की गई सूची में दो महिला इंस्पेक्टरों को पुलिस थाने की जिम्मेदारी दी है। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में 70 पुलिस थाने है। इनमें 4 महिला थाने व एक पर्यटन थाना व एक साइबर थाना है। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में पहली दफा 9 महिला इंस्पेक्टरों के पास थाने की कमान है। इससे पहले महिला इंस्पेक्टरों को केवल महिला थाने पर तैनात किया जाता था और एक से दो महिला पुलिसकर्मियों के पास ही थाने की जिम्मेदारी होती थी। अब जयपुर शहर में इंस्पेक्टर ममता मीणा, कविता शर्मा, अंतिम शर्मा, निर्मला कुमारी, सुनीता बायल, इंदू शर्मा, मंजू चौधरी व रामेश्वरी के पास थाने की कमान है।

रूटिन में किया है तबादला

कामकाज के आकलन पर तबादले किए हैं। यह एक रूटिन प्रक्रिया है। शिकायतों के आधार पर नहीं किए।

बीजू जॉर्ज जोसफ, पुलिस कमिश्नर

जरूरी खबर

कोचिंग सिटी में एक और नीट छात्रा ने की आत्महत्या

कोटा। जिले में नीट की तैयारी कर रही एक और छात्रा ने सोमवार को सुसाइड कर लिया। वह मऊ (यूपी) की रहने वाली थी। हालत बिगड़ने पर उसे प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। मामला कोटा के विज्ञान नगर इलाके का है। विज्ञान नगर थाना प्रभारी कौशल्या ने बताया कि प्रियम सिंह (17) करीब डेढ़ साल से डकनिया रोड नंबर एक पर किराए पर अकेली रह रही थी। पुलिस का मानना है कि छात्रा ने कोचिंग से लौटते समय जहर खा लिया था।

बंद दुकान में लटके मिले महिला और युवक के शव

धौलपुर। जिले के राजाखेड़ा कस्बे के बाईपास रोड पर सोमवार दोपहर एक डीजे साउंड की दुकान में महिला और युवक का शव फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना से मौके पर लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची राजाखेड़ा थाना पुलिस ने दुकान के शटर को छैनी-हथौड़े से तुड़वाकर खुलवाया। दुकान के अंदर पंखे से एक महिला और युवक का शव फंदे से लटका था। शवों को पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया है। दुकान के बगल से गुजर रहे कुछ लोगों को दुकान के अंदर से बदबू आई। टॉर्च लगाकर देखा तो उन्हें फंदे से एक महिला और युवक का शव लटका दिखाई दिया।

कल्याण बगीची में 'नानी बाई रो मायरो' कल से

झुंझुनूं। बगड़ रोड स्थित गणेश मंदिर सेवा समिति की ओर से तीन दिवसीय 'नानी बाई रो मायरो' कथा का शुभारंभ बुधवार, 20 सितंबर से शुरू होगा। इसमें व्यासपीठ से ऋतु वशिष्ठ कथा का रस पान कराएंगी। गणेश मंदिर के सामने स्थित बाबा कल्याणदास बगीची में यह कार्यक्रम होगा। कथा का समय दोपहर 2 से पांच बजे तक रखा गया है। कथा आयोजन में सजीव झांकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगी। गणेश मंदिर सेवा समिति के बुधराम सैनी, विनोद सैनी, जयराम सैनी व महंत रामावतार पुजारी आदि तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं।

त्रिनेत्र गणेशजी का तीन दिवसीय लक्खी मेला हुआ शुरू, 8 से 10 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना

गजानन के जयकारों से गूंजा रणथंभौर दुर्ग, उमड़े श्रद्धालु

बेधड़क | सवाईमाधोपुर

रणथंभौर के दुर्ग में विराजमान भगवान त्रिनेत्र गणेशजी का तीन दिवसीय लक्खी मेला सोमवार को शुरू हो गया। इसके साथ ही गणपति के दरबार में धोक लगाने के लिए भक्तों का हुजूम भी उमड़ना शुरू हो गया।

मेले के शुभारंभ पर भगवान गणेश को सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच अभिषेक करा सिंजारे की मेहंदी अर्पित की गई। इसके बाद नवीन पोशाक धारण करा मनोहारी श्रृंगार सजाया गया तथा रंग-बिरंगे फूलों से मनमोहक झांकी सजाई गई। मेला शुरू होने के साथ ही

प्रदेशभर से यहां श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला भी शुरू हो गया। पहले ही दिन हजारों की तादाद में श्रद्धालु त्रिनेत्र गणेशजी के दर्शन को पहुंचे। इस दौरान रणथंभौर का दुर्ग भगवान गणपति के जयकारों से गूंजता रहा। वहीं पैदल यात्रियों के जत्थे भी यहां पहुंचना शुरू हो गए। पैदल यात्राओं में श्रद्धालु भजनों की धुन पर नाचते हुए गणेशजी के दर्शन को पहुंच रहे हैं। रणथंभौर अभ्यारण्य के प्रवेशद्वार से ही वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया गया।

यहां से श्रद्धालु पैदल ही दर्शन के लिए जा सकेंगे। वहीं मेले के दौरान यहां केवल व्यवस्था में लगे वाहनों को ही अंदर जाने की अनुमति मिलेगी। मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए त्रिनेत्र गणेश मंदिर के महंत संजय दाधीच ने मेले में दुकानदारों और यहां आने वाले श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है और सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दी है।

जगह-जगह लगाए भंडारे

रणथंभौर गणेशजी मेले में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रणथंभौर सर्किल से ही कई प्रकार के व्यंजनों के भंडारे लगाए गए हैं। जगह-जगह लगाए गए भंडारों में करीब 8 से 10 लाख श्रद्धालुओं को भोजन कराने की व्यवस्था की गई है। इन भंडारों में डीजे पर बज रहे भजनों से माहौल उत्सवी रंग में रंगा दिखाई दे रहा है। सेवादार भक्तों को मान-मनुहार के साथ प्रसादी वितरण में जुटे हुए हैं। भंडारों में पूड़ी-सब्जी, पकौड़ी, हलवा, पोहा, कचौरी, शिकंजी, शरबत सहित कई प्रकार के पकवान भक्तों को वितरित किए जा रहे हैं। लक्खी मेले में खिलोने, गणेश प्रतिमा, पूजा-सामग्री सहित कई तहर की दुकानें भी सजाई गई हैं।

सुरक्षा के चाक-चोबंद इंतजाम

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन ने बताया कि तीन दिवसीय त्रिनेत्र गणेश मेले चार भागों में बांटा है। चारों भागों में अलग-अलग पुलिस अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वहीं इस पूरी सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए करीब 1200 पुलिसकर्मी और 100 से ज्यादा पुलिस मित्र तैनात किए गए हैं। जवान हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है।

चिकित्सा कैंप में इलाज की सुविधा

त्रिनेत्र गणेश मंदिर में आने वाले यात्रियों के लिए चिकित्सा विभाग की ओर से जगह-जगह कैंप स्थापित किए गए हैं। इनमें जरूरत पड़ने पर यात्रियों को समुचित उपचार मिल सकेगा। उधर भंडारा संचालक भवानी मीणा ने बताया कि लक्खी मेलें में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मेले में आने वाले श्रृद्धालुओं के लिए समाजसेवियों की ओर से जगह-जगह निशुल्क भंडारे और प्याउ लगाई है। इस बार तीन दिवसीय मेले में करीब 8 से 10 लाख श्रृद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

लाडले सपूत को नम आखों से दी अंतिम विदाई, गूंजे जयकारे

मासूम बेटे ने दी मुखाग्नि, पार्थिव देह को देख विरांगना हुई बेहोश

बेधड़क | सादुलपुर

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में आतंकियों से हुई मुठभेड़ में शहीद हुए चूरू के जवान योगेश जाट (28) का सोमवार शाम 6 बजे पैतृक गांव लंबोर बड़ी में अंतिम संस्कार किया गया। शहीद के 4 साल के बेटे हार्दिक ने मुखाग्नि दी।

इससे पहले हार्दिक ने पिता को आखिरी सैल्यूट किया। यह देख वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई। वहीं घर पर शहीद के अंतिम दर्शन के दौरान वीरांगना सुदेश बेसुध हो गईं। इससे पहले देशभक्ति तरानों के बीच सेना के ट्रक में योगेश की पार्थिव देह 10 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा के रूप में सादुलपुर शहीद स्मारक से लंबोर बड़ी गांव पहुंची। बड़ी संख्या में लोग बाइक पर तिरंगा लगाकर 'शहीद योगेश जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए चल रहे थे। रास्ते में स्कूल के बच्चों और ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर शहीद को श्रद्धांजलि दी। शहीद की पार्थिव देह को घर पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। वीरांगना शहीद की पार्थिव देह के करीब पहुंची तो बेसुध हो गई। सादुलपुर विधायक कृष्णा पूनियां

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में आतंकियों से मुठभेड़ में हुए थे शहीद

सहित अन्य महिलाओं ने उनको संभाला। विधायक कृष्णा पूनियां सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं सेना के जवानों ने शहीद योगेश को सलामी दी। शहीद की पार्थिव देह को सोमवार दोपहर 3:30 बजे जम्मू से सादुलपुर शहीद स्मारक लाया गया था।

शहीद योगेश के एक बेटा और एक बेटी

पृथ्वी सिंह के घर जन्म लेने वाले शहीद योगेश अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे। वो सेना के 18 केवलरी बटालियन से 14 राष्ट्रीय राइफल में डेपुटेशन पर तैनात थे। शनिवार रात को जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों से मुकाबला करते हुए उन्होंने शहादत दी। योगेश अपने पीछे एक बेटा (4) और एक बेटी (9 माह) को छोड़ गए हैं। योगेश की पत्नी स्वास्थ्य विभाग में जीएनएम पद पर कार्यरत है।

योगेश के दादा भी थे सेना में

शहीद योगेश कुमार के चाचा रणधीर सिंह ने बताया कि साल 2013 में योगेश कुमार खेल कोटे से हवलदार के पद पर 18 केवलरी बटालियन (आई) में भर्ती हुए थे। योगेश के दादा भी सेना में थे। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों की तलाश में सेना की ओर से चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान शनिवार की रात योगेश कुमार पहाड़ी के ऊपर तैनात थे। देर रात करीब 12 बजे के आस-पास आतंकवादियों से उसकी सीधी मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान आतंकियों की गोली लगने से योगेश कुमार शहीद हो गए थे।

पिता बोले-चार बेटे होते तो सभी को देश सेवा में भेजता

वहीं शहीद योगेश जाट के पिता पृथ्वी सिंह ने कहा कि अगर मेरे 4 बेटे भी होते तो सभी को देश सेवा में भेजता। ...अब पोते को सेना में भर्ती के लिए तैयार करूंगा...। पिता ने अपने इकलौते बेटे पर गर्व करते हुए कहा कि हमारा परिवार देश के लिए काम कर रहा है। योगेश के शहीद होने की जानकारी मिलते ही पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। 14 आरआर के लांस नायक योगेश कुमार 9 साल पहले खेल कोटे से सेना में भर्ती हुए थे।

वीडियो हुआ वायरल

छेड़छाड़ के आरोपी टीचर से मारपीट कर मुहं काला किया

बेधड़क | श्रीगंगानगर

जिले में ग्रामीणों ने एक सरकार विद्यालय के टीचर से मारपीट कर उसका मुंह काला कर दिया। टीचर पर छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोपी है। इसको लेकर स्कूल में पढ़ने वाली एक छात्रा के दादा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं टीचर ने आरोपों को नकारते हुए 10-15 ग्रामीणों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर सोशल मीडिया पर टीचर से मारपीट और उस पर काली स्याही डालने का वीडियो वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, गजसिंहपुर थाना क्षेत्र के गांव सात डीडी सरकारी स्कूल में टीचर राजेश समाज शास्त्र पढ़ाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि टीचर स्कूल में छात्राओं से छेड़छाड़ कर परेशान करता है। छात्राओं से जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने टीचर से बात करनी चाही, लेकिन वह छुट्टी पर चला गया।

वह जिले के ही सार्दुलशहर का रहने वाला है। छुट्टी से वापस लौटने पर ग्रामीण बात करने पहुंचे। इस दौरान टीचर ने अपने साथ दो-तीन लोगों को अपना पक्षधर बना लिया। ग्रामीणों ने टीचर को

टीचर से मारपीट कर मोबाइल छीना...

वहीं इस मामले में टीचर राजेश कुमार का कहना है कि उन पर लगाए गए आरोप गलत हैं। उनके पास छात्रा के पिता की फेसबुक आईडी से एक फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। इसके बाद इस आईडी से मैसेज आने लगे। मैसेज का जवाब देना भारी पड़ गया। प्रिंसिपल का फोन आया कि ग्रामीण स्कूल में आए हैं और उन्हें स्कूल आना होगा। प्रिंसिपल के बुलाने पर वह स्कूल पहुंचा तो ग्रामीणों ने मारपीट शुरू कर दी और ग्रामीणों ने उसका मोबाइल भी छीन लिया।

घेर लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने टीचर से मारपीट करते हुए उसका मुंह काला कर दिया।

लोगों ने ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की उठाई मांग

अवैध निर्माण के खिलाफ आक्रोश

बेधड़क | निवाई

आज शहर के जमात क्षेत्र के वार्ड-3 में हो रहे अवैध निर्माण के विरोध में सोमवार को स्थानीय वाशिंदों का आक्रोश छलक उठा। सैकड़ों लोग अवैध अतिक्रमण की शिकायत को लेकर नगर पालिका कार्यालय पहुंचे और अवैध निर्माण को रुकवाने की मांग की।

इसको लेकर नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी और अधिशासी अधिकारी मनोहर लाल जाट को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने आए लोगों ने बताया

कि वार्ड-3 में सामुदायिक भवन के सामने स्थित जमीन नगर पालिका के अधीन है। पूर्व में भी इस पर अवैध कब्जे हो गए थे। करीब 20 से 25 वर्ष पहले जनता के हित देखते हुए उसे तत्काल नगर पालिका प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण को तोड़ दिया था और नगर पालिका ने अपना बोर्ड भी लगा दिया था।

अब इस भूमि पर रविवार को भू-माफियाओं की ओर से सीमेंट के पोल बना दिए गए हैं। इस दौरान पार्षद दयाराम चौधरी, जीतपाल गुर्जर, करण सिंह राजावत, रामकिशोर मीणा, हनुमान प्रसाद शर्मा, हीरालाल मीणा, महेंद्र वैष्णव, लोकेश पटेल, चेतन सिंह, बाबूलाल सेन, राजकुमार गुर्जर, हरी राम गुर्जर, रोशन मीणा, नेवा गुर्जर सहित सैकड़ों वार्डवासी मौजूद थे।

आज भगवान गणेश का अभिषेक सहित होंगे कई आयोजन

अष्ठविनायक धाम में दो दिवसीय मेला शुरू

बेधड़क | डूंडलोद

मुकुंदगढ़ नवलगढ़ रोड़ स्थित अष्ठविनायक धाम में दो दिवसीय मेला सोमवार को शुरू हुआ। इस मौके पर संगीतमय सुंदरकांड के साथ धार्मिक आयोजनों की शुरुआत हुई।

पाठ शुरू होने से पूर्व प्रथम पूज्य भगवान गणपति, बालाजी व श्रीकृष्ण की अनु अनिल अग्रवाल ने सपत्नीक वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना की। भीमसिंह एंड पार्टी की ओर से सुंदरकांड की चौपाईयों के साथ मनमोहक भजनों का समन्वय ने भक्तों को भाव-

विभोर कर दिया। व्यवस्थापक प्रद्युम्न खंडेलवाल ने बताया कि मंगलवार को भगवान गणेश का अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 11 बजे स्कूल के बच्चो को पाठ्यपुस्तक वितरत कार्यक्रम होगा। मंदिर पुजारी दीपक मिश्रा ने बताया की शाम को नवलगढ़, मुकुंदगढ़, डूंडलोद, पबाना आदि गांवों से श्रदालु निशान यात्रा लेकर पहुंचे। मेले को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। वहीं मेले में चाट पकोड़ी, झूले व खिलौनों की दुकानें भी लगाई गई हैं। पुजारी मिश्रा ने बताया कि शाम को महाआरती के साथ दो दिवसीय मेले का समापन होगा। सुंदरकांड के बाद आरती की गई।

इसमें अंकुर अग्रवाल, आयुषी अग्रवाल, अंजली अग्रवाल, उम्मेद खजपुरिया, डॉ. तिवाड़ी, एडवोकेट अश्वनी महर्षि, सुभाष भूत, प्रमोद टिबड़ेवाल, महेश जोशी, उमाशंकर शर्मा, सुभाष खंडेलवाल, हरिप्रसाद बेड़िया, सत्यनारायण खेतान, प्रमोद पंचलगिया, दिनेश सैनी ने पूजा-अर्चना की।

परिवर्तन यात्राओं में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर साधा निशाना

चार साल तक जनता के काम नहीं, अब बांट रहे सौगातों की रेवड़ी: गर्ग

बेधड़क | नागौर

भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा सोमवार को नागौर पहुंची। इस दौरान स्थानीय पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और टिकट के दावेदारों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में यात्रा के सह-संयोजक व विधायक जोगेश्वर गर्ग, विधायक अनिता भदेल और प्रदेश महामंत्री जगवीर छाबा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जुबानी हमला बोला।

जगवीर छाबा ने बताया कि परिवर्तन यात्रा रामदेवरा से शुरू होकर नागौर पहुंची है। परिवर्तन यात्रा को 14 दिन पूर्ण हो चुके हैं और लगभग 40 विधानसभा में 2 हजार किलोमीटर की यात्रा पूर्ण हो

चुकी है। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर मातृ शक्ति ने कलश यात्रा से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने कांग्रेस सरकार को पूर्ण रूप से नकार दिया हैं।

अब यह जनता कांग्रेस के झूठे वादों में नही आने वाली है। विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि कांग्रेस सरकार की नीति है कि चार साल तक किसी प्रकार का कोई विकास कार्य नही करना और चुनावी साल में सौगातों के नाम पर रेवड़ी बांटना।

कांग्रेस ने जनघोषणा पत्र में किसानों का सम्पूर्ण कर्जा माफ करने की घोषणा की थी और राहुल गांधी ने एक सभा में दस तक गिनती गिन कर वादा किया, लेकिन गहलोत सरकार ने किसानों का कर्जा माफ नहीं कर उनके साथ धोखा किया है।

विधानसभा में सतीश पूनियां के प्रश्नकाल में किए गए सवाल में पता चला की 19 हजार से अधिक किसानों की जमीन नीलाम हो गई। इस किसान विरोधी सरकार में किसान बिजली के संकट से झूझ रहे हैं।

युवाओं के साथ किया छलावा

विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि बेरोजगारी भत्ते के नाम पर अनेक शर्तें लगाकर बेरोजगारों के साथ छलावा किया गया और संविदा कर्मियों को नियमित करने का वादा भी पूरा नहीं किया। इतिहास में पहली बार 56 दिन तक यह सरकार बाड़ाबंदी में रही। भर्ती परीक्षा के पेपर की रखवाली भी कांग्रेस सरकार ने चहेते पदाधिकारियों से करवाई, इसके बावजूद पेपर लीक के सर्वाधिक मामले सामने आए। भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की बात करने वाले मुख्यमंत्री गहलोत की मौजूदगी में अध्यापको के ट्रांसफर के बदले में पैसे लेने की बात भी उजागर हुई हैं। भ्रष्ट अफसरों के रिश्वत मामलों में अभियोजन स्वीकृति नहीं देकर उन्हें बचाने का काम कांग्रेस की सरकार कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ मंत्री शांति धारीवाल का दुष्कर्म मामलों पर 'राजस्थान मर्दो का प्रदेश' वाला बयान इनका चरित्र स्पष्ट करता है। बीते पौने पांच साल में कांग्रेस सरकार ने तुष्टीकरण के मामलों में सारी हदें पार कर दी है। यह कांग्रेस सरकार किसान, महिला, दलित विरोधी सरकार है, जिसे जनता आगामी चुनाव में सत्ता से हमेशा के लिए बाहर करेगी।

कांग्रेस सरकार में बढ़े दलितों पर अत्याचार

विधायक अनिता भदेल ने कहा कि प्रदेश में दलित वर्ग पर सर्वाधिक अत्याचार कांग्रेस सरकार में बढ़े हैं। प्रियंका गांधी लडकी हूं, लड़ सकती हूं की बात करती हैं, लेकिन उनके पास समय नहीं कि राजस्थान में आकर दुष्कर्म पीड़ित परिवारों से मिल सके। विधायक भदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से सत्ता का मोह नहीं छूट रहा और कुर्सी बचाने की इस लड़ाई में जनता पिस रही है। अशोक गहलोत केवल मात्र घोषणा करने में माहिर हैं। प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा, प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनियां, ज़िला अध्यक्ष रामनिवास सांखला, नागौर विधायक मोहनराम चौधरी और यात्रा में मीडिया सहयोगी अशोक सिंह शेखावत मौजूद रहे।

भाजपा जनता के मुद्दों को कभी नहीं भूलती: दाधीच

कोटा देहात पहुंची परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान हुई प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार का मामला हो, पेपर लीक का मामला हो, दलित अत्याचार का मामला हो या फिर प्रदेश में बढ़ते अपराध का मामला हो भाजपा ने सदैव जनता के मुद्दों को उठाया है। भाजपा जनता सत्ता में हो या विपक्ष में जनता के मुद्दों को कभी भुलती नहीं है। प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पेट्रोल-डीजल पर सबसे ज्यादा वैट के चलते पंप मालिकों की हड़ताल चिंता का विषय है।

MNIT के इन्क्यूबेशन सेंटर में 'हैक4मीडिया' मीट अप में जुटे युवा

आगे बढ़ना है तो उदासीनता, आलोचना, हिंसा व चाटुकारिता से बचो

बेधड़क | जयपुर

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर (एमआईआईसी) में हैक फोर इंडिया टीम और चंचल फाउंडेशन की ओर से 'हैक4 इंडिया' जयपुर मीट-अप का आयोजन किया गया। इस मीटअप का उद्देश्य तकनीकी समुदाय को एक साथ लाना व नवीन परियोजनाओं और विचारों को प्रोत्साहित करना था। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आईओसीएल के स्वतंत्र निदेशक डॉ. आशुतोष पंत ने प्रतिभागियों को 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषय पर व्याख्यान देते हुए उन्हें स्टार्टअप के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उन छात्रों को बधाई दी जो कार्यक्रम में चयनित होकर आए थे। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को नवीन विचारों के साथ आने में मदद करते हैं जिन्हें आगे उपयोगी उत्पादों में विकसित किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने छात्रों को व्यक्तिगत विकास की चार बाधाओं उदासीनता, आलोचना, हिंसा और चाटुकारिता से दूर रहने का सुझाव दिया।

250 प्रतिभागियों को मिला मोटिवेशन

इनक्यूबेशन एमएनआईटी की एसोसिएट डीन डॉ. मोनिका शर्मा, एमआईआईसी के समन्वयक डॉ. अमर पटनायक व सीनियर ऑपरेशन मैनेजर-एमआईआईसी डॉ. संजय गौड़ ने छात्रों की उपस्थिति में एमआईआईसी की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों पर तेजन सिंह, राहुल खींची, अक्षत सुराणा, शुभांक श्रीवास्तव, निहार थुम्मर और जय सदाना के व्यावहारिक भाषण हुए। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मौजूद टूपर रिकॉर्ड के हनी टूपर और निशिता सुरोलिया ने भी प्रतिभागियों को इनोवेटिव आइडियाज के साथ आगे आने और अपने सपनों को उड़ान देने के लिए प्रोत्साहित किया। यह मीटअप आईटी पृष्ठभूमि के इनोवेटर्स के लिए एक महत्वपूर्ण पहल थी। इस कार्यक्रम में करीब 250 छात्रों, डेवलपर्स और डिजाइनर्स ने भाग लिया। इस मीटअप का दूसरा चरण 6 और 7 अक्टूबर को सिल्वर ओक यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद में होगा।

Yuva स्टोरीज

JLO परीक्षा के आवेदन पत्र में आज से कर सकेंगे संशोधन |

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने कनिष्ठ विधि अधिकारी (विधि एवं विधिक कार्य विभाग) परीक्षा-2023 के आवेदकों को आवेदन पत्र में संशोधन का अवसर दिया है। अभ्यर्थी 19 सितंबर से 28 सितंबर तक नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन कर सकेंगे। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि परीक्षा का आयोजन 4 और 5 नवंबर को किया जाना प्रस्तावित है। ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए दिया जा रहा है, परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लिखित पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें पहले की तरह ही रहेंगी। ऑफलाइन संशोधन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। संशोधन चाहने वाले अभ्यर्थी को ई-मित्र/ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से पांच सौ रुपए का शुल्क जमा कराना होगा। आयोग के ऑनलाइन पोर्टल https://rpsc.rajasthan.gov.in पर या एसएसओ पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन संशोधन किया जा सकेगा।

काउंसलिंग के लिए 14 अभ्यर्थियों को अंतिम मौका |

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के विज्ञान विषय की काउंसलिंग के लिए दिए गए अवसरों में अनुपस्थित रहे 14 अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। इसके साथ ही उक्त विषय की काउंसलिंग के दौरान प्रोविजनल रहे 11 अभ्यर्थियों को भी वांछित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। विस्तृत सूचना एवं प्रोविजनल तथा अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि विज्ञान की विचारित सूची 4 अगस्त को जारी की गई थी। इसमें सम्मिलित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग का आयोजन 25 अगस्त से 31 अगस्त तक किया गया था। इसमें अनुपस्थित रहे 21 अभ्यर्थियों को आयोग की ओर से पुनः अवसर प्रदान कर 11 सितंबर को उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया था। इनमें से कुल 14 अभ्यर्थी निर्धारित दिनांक को भी अनुपस्थित रहे। इन अभ्यर्थियों को पात्रता जांच के लिए 22 सितंबर प्रातः 10 बजे आयोग कार्यालय में उपस्थित होने का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। इसमें अनुपस्थित रहने पर आयोग द्वारा कोई अन्य अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा, न ही ऐसे अभ्यर्थियों को अंतिम परिणाम में सम्मिलित किया जाएगा।

सुनील शर्मा को मिली पीएचडी उपाधि |

जयपुर। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी सुनील कुमार शर्मा को पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग मणिपाल विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई है। शर्मा ने 'असेसिंग द रोल ऑफ लीडिंग प्रिंट मीडिया हाउसेज ऑफ राजस्थान इन क्रिएटिंग अवेयरनेस ऑन सोशल इश्यूज' विषय पर अपना शोध कार्य संपन्न किया है। उन्होंने यह शोध कार्य गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुभाष कुमार के निर्देशन में पूर्ण किया है।

ऋषि पंचमी पर ब्राह्मण बटुकों का उपनयन संस्कार |

बेधड़क, जयपुर। जयपुर में 20 सितंबर को ऋषि पंचमी के अवसर पर सियाराम बाबा की बगीची, सीकर रोड में हेमाद्रि संकल्प, ऋषि अर्चन, तर्पण एवं निशुल्क ब्राह्मण बटुकों का उपनयन संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के सभागार, सेक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर में विद्वानों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर पंडित मोतीलाल जोशी सम्मान-बीकानेर निवासी डॉ.सरोज कोचर को, पं.मधुसूदन ओझा वेद सम्मान- जयपुर निवासी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र को, पंडित राधेलाल चौबे पत्रकारिता सम्मान- बिलोंची जयपुर निवासी नरेंद्र दोतोलिया को, युवा प्रतिभा सम्मान-जयपुर निवासी डॉ. मधुबाला शर्मा, डॉ. मनीषा शर्मा एवं ललित शर्मा समेत कई विद्वानों को सम्मानित किया जाएगा।

RBI में 450 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू |

जयपुर। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने असिस्टेंट के 450 पदों के लिए वैकेंसी निकाली है। इसमें शामिल होने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ऑफिशियल वेबसाइट rbi.org.in पर 4 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। उम्मीदवारों का चयन रिटर्न टेस्ट के साथ इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा। कुल 450 पदों में से 241 पद अनारक्षित हैं। जबकि 71 ओबीसी, 37 ईडब्ल्यूएस, 45 एससी और 56 एसटी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। उम्मीदवारों का सिलेक्शन प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और भाषा दक्षता परीक्षा के माध्यम से होगा। आरबीआई असिस्टेंट भर्ती के लिए ऑनलाइन प्रारंभिक परीक्षा 21 और 23 अक्टूबर को प्रस्तावित है व मुख्य परीक्षा 2 दिसंबर को होने की संभावना है। आवेदक के कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। रिजर्व्ड कैटेगरी के लिए न्यूनतम अंकों की बाध्यता नहीं है।

गणेश जी देते हैं बिजनस से जुड़े अहम संदेश

एंटरप्रेन्योर्स का मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट हैं गजानन

बेधड़क | जयपुर

भगवान गणेश सबसे अधिक पूजे जाने वाले देवताओं में से एक हैं। गणेश जी के आध्यात्मिक पहलू से हटकर अगर उनके 'सिम्बोलिज्म' और जीवन यात्रा की बात करें तो, गणेश जी युवा एंटरप्रेन्योर्स के लिए मोटिवेशन का एक बड़ा खजाना हैं। गणेश यूं तो हमें जिंदगी के हर पहलू पर एक नई सीख देते हैं लेकिन आज के स्टार्टअप्स के दौर में गणेश जी से मिलने वाले संदेश गेमचेंजर साबित हो सकते हैं। मसलन, गणेश जी के जीवन की एक कहानी है कि भाई कार्तिकेय के साथ संसार के तीन चक्कर लगाने की प्रतियोगिता में गणेश जी ने अपने माता-पिता के तीन चक्कर लगाकर वह प्रतियोगिता जीत ली थी। कहने को यह माता-पिता की भक्ति की कहानी है लेकिन इससे मिलने वाला बिजनस लेसन भी बड़ा गहरा है। यह कहानी एंटरप्रेन्योर्स को प्रेरणा देती है अलग सोच की, रचनात्मक सोच की और अपनी सोच पर भरोसा रखकर उसपर अमल करने की। नए नए आइडियाज के साथ बाजार में आ रहे स्टार्टअप फाउंडर्स को अगर अपने आइडिया पर भरोसा है तो अपनी यूनिक सोच के साथ उन्हें आगे बढ़ना चाहिए। यह लेसन किसी भी युवा एंटरप्रेन्योर को किसी मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में मिलने वाले ज्ञान से कम नहीं है। साथ ही गणेश जी के शरीर का हर अंग अपने आपमें यूनिक है और अलग तरह का संदेश देता है।

बड़ा सिर बोले तो 'बड़ी सोच'

गणेशजी का बड़ा सिर किसी भी बिजनस को शुरू करने से पहले की बड़ी सोच की ओर इशारा करता है। कोई भी एंटरप्रेन्योर अगर अपना स्टार्टअप बड़ी सोच के साथ शुरू करे तो ही वह सफल हो सकता है। किसी भी बिजनस की सफलता के लिए बड़ी सोच, बड़ा लक्ष्य और पुख्ता प्लान जरूरी है, यह गणेश जी का बड़ा सिर हमें बताता है।

बड़े कान यानि 'मजबूत सूचना तंत्र'

गणेश जी के बड़े कान बिजनस में हमेशा सजग रहने का संदेश देते हैं। हर बिजनस मैन का सूचना तंत्र इतना मजबूत होना चाहिए कि बिजनस को प्रभावित करने वाली हर बात तुरंत पता चले जिससे उससे संबंधित रणनीति तुरंत बनाई जा सके। बड़े कान सुनने की क्षमता बढ़ाने का भी संदेश देते हैं जिससे टारगेट कस्टमर की जरूरत पहचानी जा सकें।

छोटी आंखें यानि 'पैनी दृष्टि'

गणेश जी की छोटी आंखों में भी बड़ा संदेश छुपा है। ये आंखें कहती हैं कि बिजनस या प्रोफेशन में सदैव अपना लक्ष्य निर्धारित रख कर आगे बढ़ना चाहिए। अपने लक्ष्य पर पैनी दृष्टि रखते हुए पूरी क्षमता के साथ उसे पाने में जुट जाना सफलता की गारंटी है। पूरे फोकस के साथ लक्ष्य पर दृष्टि सफलता के लिए जरूरी है।

छोटी सवारी बोले तो 'छोटे खर्च'

गणेश जी की सवारी मूषक से अपनी इच्छाओं और खर्चों को लिमिट में रखने की सीख ली जा सकती है। ये किसी भी बिजनस में फिजूल खर्ची से दूर रहने की प्रेरणा देता है क्योंकि फिजूलखर्ची बिजनस के बजट और फ्यूचर प्लानिंग को बिगाड़ सकती है। 'शाइनिंग ऑब्जेक्ट्स' से बचकर सार्थक काम में खर्च करने की प्रेरणा मूषक से मिलती है।

बड़ी सूंड मतलब 'बड़ा नेटवर्क'

जैसे हाथी की सूंड बड़ी होती है, उसी तरह एंटरप्रेन्योर्स के बिजनस संपर्क भी दूर-दूर तक होने चाहिएं ताकि उनका लाभ बिजनेस डेवलपमेंट में मिलता रहे। हाथी की सूंड की पकड़ भी मजबूत होती है, उसी तरह बिजनस ऑनर की अपने मार्केट के साथ ही अपने स्टाफ पर भी मजबूत पकड़ जरूरी है।

बड़ा पेट बोले तो 'बड़ा धैर्य'

बिजनस में लाभ-हानि होती रहती है। कभी-कभी हानि का अनुपात ज्यादा हो जाता है। ऐसी स्थिति में गणेशजी का बड़ा पेट सिखाता है कि एंटरप्रेन्योर में किसी भी हानि को पचाने की पूर्ण क्षमता और धैर्य होना चाहिए। हानि से डरकर बिजनस से भागने के बजाय सबक लेकर धैर्य के साथ काम करना जरूरी है।

मरीजों के लिए जिंदादिली का संदेश

दर्द से गुजरे, बैंकॉक में इंटरनेशनल चैंपियनशिप में खेलेंगे डॉ. शर्मा

बेधड़क | जयपुर

छोटी-छोटी बीमारियों से हार मानकर बैठ जाने वालों के सामने जयपुर के डॉ. गिरवर शर्मा एक बड़ा उदाहरण प्रस्तुत करने जा रहे हैं। दो साल पहले किडनी ट्रांसप्लांट करवा चुके डॉ. शर्मा यूरोपियन कंट्रीज में खेले जाने वाले खेल पटांग की एशियन चैंपियनशिप में भाग लेने थाइलैंड के बैंकॉक शहर में जा रहे हैं। यह चैंपियनशिप ट्रांसप्लांट पेशेंट्स के लिए ही आयोजित होती है। डॉ. शर्मा के साथ पटांग टीम के कैप्टन हर्षवर्धन सिंह सहित अन्य खिलाड़ी अमित कुमार, हितेश, सैयद अली नकवी व प्रवीण कुमार भी कोच गणेश कार्तिकेयन के निर्देशन में चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। डॉ. शर्मा का कहना है कि किडनी या किसी भी अन्य ऑर्गन का ट्रांसप्लांट एक सामान्य प्रक्रिया है और इसके बाद जीवन की गति रुकनी नहीं चाहिए। पॉजीटिव सोच के साथ आगे बढ़कर नए रास्ते तलाशे जाएं तो ट्रांसप्लांट के बाद भी नए जोश के साथ जिंदगी को जिया जा सकता है। डॉ. शर्मा का कहना है कि अगर मेरे जीवन से एक व्यक्ति भी मोटिवेट होता है तो मैं अपने आपको सफल मानूंगा। डॉ. गिरवर शर्मा फिलहाल शहर के जयपुरिया हॉस्पिटल में ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट में कार्यरत हैं। दो वर्ष पूर्व उनकी दोनों किडनी खराब होने पर किडनी ट्रांसप्लांट किया गया था। डॉ. शर्मा की पत्नी डॉ. शालिनी शर्मा ने उन्हें अपनी एक किडनी डोनेट की है।

राष्ट्रीय सेमिनार 21 से

बेधड़क. जयपुर। जयपुर के एसएसजी पारीक पीजी महाविद्यालय में 21 से 23 सितंबर तक सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार, नाद-नर्तन एवं एसएसजी पारीक पीजी महाविद्यालय जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में संगीत का तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित की जाएगी। इस दौरान दिल्ली कत्थक केंद्र की अध्यक्ष एवं सलाहकार उमा डोगरा मुख्य अतिथि होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता चित्रकार पद्मश्री शाकिर अली करेंगे। ध्रुवपद-गायिका प्रो. डॉ. मधुभट्ट तैलंग द्वारा की-नोट ऐड्रेस दिया जाएगा। सेमिनार में देशभर से अनेक संगीत-विशेषज्ञों की सहभागिता रहेगी। तीन दिवसीय संगीत सेमिनार में 'संगीत एवं प्रौद्योगिकी' विषय पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। तकनीकी सत्रों में विभिन्न प्रांतों सहित सिर्फ देश के ही नहीं अपितु विदेश बांग्लादेश एवं नेपाल से भी शोधकर्ता अपने शोध-पत्रों का वाचन करेंगे।

मंथन | शिक्षा सचिव ने की अधिकारियों से चर्चा

MGGS बाल वाटिकाओं में मिलेगा 'चाइल्ड फ्रेंडली' फर्नीचर

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ने वाले प्री-प्राइमरी कक्षा के बच्चों को स्कूलों में सुविधाजनक चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर की सौगात मिलेगी।

स्कूल शिक्षा शासन सचिव नवीन जैन की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में प्रदेश की करीब एक हजार एमजीजीएस में चल रही बाल वाटिकाओं के कंसेप्ट पर विस्तृत चर्चा के दौरान चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर के साथ ही अन्य विभिन्न दिशा निर्देश जारी किए गए। जैन ने बैठक में बाल वाटिकाओं में नामांकन की स्थिति, टीचर्स के विशेष कैडर के गठन, प्रशिक्षित एनटीटी टीचर्स के पदस्थापन और सेवा आधारित कार्यों के तहत सफाई कर्मी, सहायक कर्मचारी, गार्ड एवं केयर टेकर जैसे कर्मियों को लगाने की प्रगति की जानकारी ली और बाल वाटिकाओं के सुव्यवस्थित प्रबंधन के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि सभी बाल वाटिकाओं में प्री-प्राइमरी क्लासेज के बच्चों को 6-6 राउंड टेबल, 48 चेयर और झूले उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही छोटे बच्चों के लिए विशेष टॉयलेट भी बनाए जाएंगे। जैन ने बाल वाटिकाओं में पाठ्य पुस्तकों के वितरण तथा अतिरिक्त कक्षा कक्षों के निर्माण के बारे में प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। बैठक में 29 सितंबर को राज्य स्तर पर एमजीजीएस स्कूलों के प्रिंसिपल और बाल वाटिकाओं के प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों की वीसी आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग की विशिष्ट सचिव चित्रा गुप्ता, शिक्षा निदेशक कानाराम, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की आयुक्त एवं राज्य परियोजना निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला, संयुक्त शासन सचिव किशोर कुमार एवं प्रवीण लेखरा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विजन डॉक्यूमेंट पर हुई चर्चा

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से 'राजस्थान मिशन-2030' के तहत तैयार किए जा रहे विजन डॉक्यूमेंट के प्रारूप को अंतिम रूप देने के लिए शासन सचिव नवीन जैन ने सामान्य शिक्षा एवं शैक्षिक प्रशासन, समग्र शिक्षा, पाठयक्रम एवं पाठ्य पुस्तकें, परीक्षा प्रबंधन एवं मूल्यांकन, साक्षरता एवं सतत शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय, ई-प्रबंधन एवं डिजिटल, विद्यालयों में आधारभूत ढांचा तथा पोषण एवं स्वास्थ्य जैसे विषयों पर गठित नौ समूहों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। विजन डॉक्यूमेंट में क्वालिटी एजूकेशन के लक्ष्य पर फोकस करते हुए स्कूलों की संख्या एवं नामांकन में बढ़ोतरी, ठहराव सुनिश्चित करने, साक्षरता दर की प्रगति और शिक्षा की सर्वत्र पहुंच एवं सुलभता के लिए प्रदेश में राज्य, सम्भाग, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विभिन्न हितधारकों के बीच मंथन से निकले सुझाओं को प्रमुखता से शामिल किया गया है। शासन सचिव ने डॉक्यूमेंट के प्रारूप पर चर्चा के दौरान प्रदेश में वर्ष 2030 तक स्कूल शिक्षा के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए तैयार कार्ययोजना एवं गतिविधियों पर विस्तार से विचार विमर्श किया और बैठक में आए सुझावों का समावेश करते हुए अधिकारियों को अंतिम प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिए।

साढ़े पांच करोड़ मुकदमे अदालतों में विचाराधीन

सामाजिक न्याय और न्यायपालिका

शैलेंद्र चौहान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

इतिहास गवाह है कि शताब्दियों से मानव, सामाजिक न्याय प्राप्त करने के लिए निरंतर भटकता रहा है और इसी कारण दुनिया में कई युद्ध, क्रांति, बगावत, विद्रोह, हुए हैं जिसके कारण अनेक बार सत्ता परिवर्तन हुए हैं। अगर भारत की बात की जाए तो हमारा भारतीय समाज पहले वर्ण व्यवस्था आधारित था जो धीरे-धीरे बदलकर जाति व्यवस्था में परिवर्तित हो गया। असमानता, अलगाववाद, क्षेत्रवाद, रूढ़िवादिता समाज में पूरी तरह व्याप्त थी। यह सामंती दौर था जहां गरीब, दलित, आदिवासी, महिलाओं और विकल अंग व्यक्तियों को न्याय नहीं मिलता था। आजादी के बाद यदि विश्व के हमारे सबसे बड़े लोकतंत्र पर नजर डालें तो कुछ परिवर्तन अवश्य हुआ है, लेकिन अभी भी समाज का बड़ा हिस्सा मुख्यतः गरीब, अशिक्षित, निर्बल, दलित और दमित समुदाय न्याय की तलाश में भटकता नजर आता है। अदालतों में विचाराधीन मुकदमों को देखा जाए जो कोई साढ़े पांच करोड़ की संख्या है जिसका निपटारा कब तक हो पाएगा कह पाना मुश्किल है। मुकदमों का यह पिरामिड देशवासियों के लिए चिंता और भय का कारण है। यूं अदालती फैसलों में पांच-छह वर्ष का समय लगना तो सामान्य-सी बात है, पर यदि बीस-तीस साल में भी निपटारा न हो तो आम लोगों के लिए यह किसी नारकीय त्रासदी से कम नहीं है। वैसे तो न्याय का मौलिक सिद्धांत यह है कि 'न्याय में बिलंब होने का मतलब न्याय को नकारना है। विडम्बना यह कि देश की अदालतों में जब करोड़ों मामलों में नित्य न्याय नकारा जा रहा हो तो आम आदमी को न्याय सुलभ हो पाना मृग मरीचिका जैसा ही है। वस्तुतः अदालतों में त्वरित निर्णय न हो पाने के लिए प्रशासनिक कार्यप्रणाली ही ज्यादा दोषी है जो अंग्रेजी शासन की देन है। उसमें व्यवहारिक परिवर्तन आज तक नहीं किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हों, देश के विधि मंत्री हों या अन्य, लंबित मुकदमों के अंबार को देखकर चिंता में डूब जाते हैं, लेकिन किसी को हल नजर नहीं आता है।

> *आज स्थिति यह है कि पुलिस बल समाज के तथा कथित ठेकेदारों, नेताओं तथा सत्ता की कठपुतली बन गया है। समाज का दबा-कुचला वर्ग तो पुलिस के पास जाने से भी डरता है, पुलिस वर्ग को तमाम बुराइयों तथा कुरीतियों ने घेर लिया है। अतः साधारण वर्ग अपनी आवाज उठाने की हिम्मत नहीं कर पाता और यदि वह साहस जुटाता भी है तो उसके भयावह परिणाम भी उसे भोगने पड़ते हैं। कार्यपालिका और न्यायपालिका उसकी कोई मदद नहीं कर पाती क्योंकि उनका आधार तो पुलिस पर ही टिका होता है।*

> *जजों की कार्य कुशलता के संबंध में उड़ीसा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त चीफ जस्टिस बिलाई नाज ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के लिए कई जज फौजदारी मामले डील करने में अक्षम हैं। 1998 की फौजदारी अपीलें बंबई उच्च न्यायालय में इसलिए विचाराधीन पड़ी हैं क्योंकि कोई जज प्रकरण का अध्ययन करने में दिलचस्पी नहीं लेता। पदों की कमी और रिक्त पदों को भरे जाने में विलंब ऐसी समस्याएं हैं, जिनका निराकरण जल्दी होना चाहिए किंतु यहां भी यथावत शिथिलता देखी जा सकती है। समाचार-पत्रों और टीवी के सर्वव्यापी अस्तित्व के बावजूद नोटिस तामील के लिए उनका सहारा नहीं लिया जाता। नोटिस तामील होने में अत्यधिक वक्त जाया होता है।*

पूर्व कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने मार्च में राज्यसभा में बताया था कि देश के अंदर हाईकोर्ट के जजों के लगभग 30 प्रतिशत पद खाली हैं। उच्च न्यायालयों में 1114 जजों की स्वीकृत संख्या है और वर्तमान में 780 पद भरे हुए हैं, जबकि 334 पद खाली हैं। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालयों में 334 पदों के लिए हाईकोर्ट कॉलेजियम की 118 सिफारिशें चरणों में हैं। जबकि सरकार को अभी तक 216 वेकेंसी के लिए सिफारिशें नहीं मिली हैं। जजों की कार्य कुशलता के संबंध में उड़ीसा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त चीफ जस्टिस बिलाई नाज ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के लिए कई जज फौजदारी मामले डील करने में अक्षम हैं। 1998 की फौजदारी अपीलें बंबई उच्च न्यायालय में इसलिए विचाराधीन पड़ी हैं क्योंकि कोई जज प्रकरण का अध्ययन करने में दिलचस्पी नहीं लेता। पदों की कमी और रिक्त पदों को भरे जाने में विलंब ऐसी समस्याएं हैं, जिनका निराकरण जल्दी होना चाहिए किंतु यहां भी यथावत शिथिलता देखी जा सकती है। समाचार-पत्रों और टीवी के सर्वव्यापी अस्तित्व के बावजूद नोटिस तामील के लिए उनका सहारा नहीं लिया जाता। नोटिस तामील होने में अत्यधिक वक्त जाया होता है। आवश्यकता इस बात की है कि कानूनों में तत्संबंधी सुधार कर जमानत और अपीलों की चेन में कटौती की जाए और रोज पेशियां बढ़ाने पर बंदिश लगाई जाए। यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि दलित अत्याचार संबंधी कानून को कभी ठीक से लागू ही नहीं किया गया। दलित अत्याचार के मामले जल्दी निपटाने के लिए न तो विशेष अदालतें बनाई गई और न ही पुलिस अधिकारियों को दलितों-आदिवासियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने के लिए कानून के अहम प्रावधानों के बारे में ठीक से अवगत कराने का प्रयास हुआ। सच्चाई तो यह भी है कि न्यायपालिका की शिथिलता और अकुशलता से अपराध और आतंकवाद को भी बढ़ावा मिलता है। हमारे संविधान में सामाजिक और आर्थिक न्याय की गारंटी समस्त नागरिकों को एवं जीवन जीने की गारंटी प्रत्येक व्यक्ति को दी गई है। सामाजिक न्याय का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत हित और सामाजिक हित के बीच सामान्जस्य स्थापित करना है। इसलिए कल्याणकारी राज्य की कल्पना संविधान निर्माताओं ने की थी।

बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय को ध्यान में रखते हुए समाजवादी व्यवस्था का प्रावधान भी रखा गया। पर राजनीतिक स्वार्थों और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी ने समाजवादी स्वप्न साकार नहीं होने दिया।मुकदमों के निपटारे में विलंब का एक कारण भ्रष्टाचार भी है। उच्चत्तम न्यायालय और हाईकोर्ट के जजों को हटाने की सांविधानिक प्रक्रिया इतनी जटिल है कि कार्रवाई किया जाना बहुत कठिन होता है। न्यायिक आयोग के गठन का मसला सरकारी झूले में वर्षो से झूल रहा है। एक पहलू यह भी है कि यदि विगत छह दशकों में राज्य के तीन अंगों अर्थात विधायिका, कार्यपालिका तथा न्याय पालिका के प्रदर्शन पर नजर डाली जाए तो इनमें न्यायपालिका को बेहतर माना जाएगा। सवाल यह है कि आखिर क्या वजह रही कि पुलिस व्यवस्था विफलता और भ्रष्टाचार के कगार पर है। 'इण्डिया करप्शन एंव ब्राइवरी रिर्पोट' के अनुसार भारत मे रिश्वत मांगे जाने वाले सरकारी कर्मचारियों मे से तीस प्रतिशत की भागीदारी तो मात्र पुलिस तन्त्र की है। भारत में पुलिस के हस्तक्षेप का दायरा बहुत ही विस्तृत है इसीलिए पुलिस के पास असीमित अधिकार हैं। वह राज्य सत्ता की सबल संस्था है, सत्ता का सशक्त औजार भी है। जाहिर है उसका चरित्र राजसत्ता के चरित्र से अलग नहीं हो सकता। पुलिस द्वारा रिश्वत प्राथिमिकी दर्ज करवाने, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने मे कोताही बरतने या मामला न दर्ज करने तथा जांच करते समय सबूतों को नजरदांज करने सम्बन्धी मामलों मे ली जाती है। रसूखदारों के दबाव मे काम करना तथा अवांछित राजनैतिक हस्तक्षेप को झेलना पुलिस अपना कर्तव्य समझने लगी है। पुलिस रिफॉर्म और पुनर्संगठन की आवश्यकता कई दशकों से महसूस की जा रही है लेकिन इस पर अमल नहीं किया जाता। केंद्र के गृह मंत्री एवं कानून मंत्री कोई पहल नहीं करते। उनके लिए यह सर्वथा लाभ की स्थिति है कि कानून व्यवस्था राज्यों की जिम्मेदारी है इसलिए वे कुछ नहीं कर सकते। उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यकों और हरियाणा में दलित अत्याचार की हाल की घटनाएं इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किस तरह बहुसंख्यकों एवं खाप पंचायतों ने ऐसे हमलों की योजना बनाई और उस पर खुलेआम अमल करवाया। आगजनी तथा हत्याओं में लिप्त अपनी जाति के लोगों को बचाने में खाप पंचायतें आगे आईं। सांप्रदायिक तनाव बनाया गया। दंगे करवाए गए। दलितों को जिंदा जलाया गया। चुनाव और वोट की राजनीति की गयी। प्रायः यह देखा जाता है कि पुलिस एवं प्रशासनिक अमला ऊंची-दबंग जातियों के हितों की हिफाजत करने में लगे रहते है। स्वाभाविक तौर पर प्रश्न उठता है कि जब तक समाज के मानस में बदलाव नहीं होगा- जिससे नए किस्म के समाज सुधार एवम सांस्कृतिक आन्दोलनों से क्रियान्वित किया जा सकता है- क्या हमारे लिए सम्भव होगा कि हम जमीनी स्थिति में कोई गुणात्मक प्रभाव कर सकें। हांलाकि पुलिस तन्त्र की स्थापना कानून-व्यवस्था को कायम रखने के लिए की गई थी तथा आज भी सामाजिक सुरक्षा तथा जनजीवन को भयमुक्त एंव सुचारू रूप से चलाना पुलिस तन्त्र का विशुद्ध कर्तव्य है। इस क्षेत्र में पुलिस को पर्याप्त लिखित एंव व्यवहारिक अधिकार भी प्राप्त है। भारत के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक विकास, बढती जनसख्या, प्रौद्योगिकी का विकास, अपराधों का सफेद कॉलर होना इन तमाम परिस्थितियों के कारण पुलिस तन्त्र की जबावदेही के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है, लेकिन भारतीय समाज में पुलिस की तानाशाहीपूर्ण छवि, जनता के साथ मित्रवत ना होना तथा अपने अधिकारी के दुरुपयोग के कारण वह आरोपो से घिरती चली गई है। आज स्थिति यह है कि पुलिस बल समाज के तथा कथित ठेकेदारों, नेताओं तथा सत्ता की कठपुतली बन गया है। समाज का दबा-कुचला वर्ग तो पुलिस के पास जाने से भी डरता है, पुलिस वर्ग को तमाम बुराइयों तथा कुरीतियों ने घेर लिया है। अतः साधारण वर्ग अपनी आवाज उठाने की हिम्मत नहीं कर पाता और यदि वह साहस जुटाता भी है तो उसके भयावह परिणाम भी उसे भोगने पड़ते हैं। कार्यपालिका और न्यायपालिका उसकी कोई मदद नहीं कर पाती क्योंकि उनका आधार तो पुलिस पर ही टिका होता है। ऐसे में सामान्य व्यक्ति को न्याय मिलना बहुत दूर की संभावना ही कही जाएगी। चौथा खंभा कहलाने वाला मीडिया भी अंततः राजनीति के दलदल और मुनाफा कमाने के औजार के रूप में तब्दील हो चुका है। अब वह भी सामान्य व्यक्ति के दुःख दर्द का साझीदार नहीं है। ऐसी स्थिति में समाज के पास एक सशक्त आंदोलन निर्मित करने के अलावा कोई और विकल्प शेष नहीं बचता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

व्यंग्य

ब्रह्म मूहर्त और चौपट लालजी का रील्स प्रेम

महेश कुमार केशरी
व्यंग्यकार

आज चौपट लालजी से चौक पर मुलाकित हुई तो उनके चेहरे पर बारह बज रहे थे। वैसे तो चौपटलाल जी हमेशा से खुशमिजाज रहने वाले लोगों में से थे, लेकिन, उनके मुखारविंद पर जो एक कांति एक समय में हुआ करती थी। वो गायब थी। मैंने कारण जानना चाहा तो उन्होंने अपनी आपबीती कुछ इस प्रकार सुनाई। दरअसल चौपटलाल जी पर अभी एक खब्त सवार हो गया था। वो खब्त था , ब्रह्म मूहर्त में उठने का। सांसारिक चीजों के त्यागने का। लेकिन, हमारे चौपटलाल जी आज के प्राणी हैं। डीजे पर झूमने वाले। पॉप म्यूजिक सुनने वाले। रील्स बनाने वाले। इस रील्स, बनाने या पॉप्स सुनने, या ब्रह्म मूहर्त में उठने या जॉगिंग से लेकर लाईट फूड खाने और अनिद्रा की शिकायत के कारण आज कल चौपट लाल जी बीमार चल रहें थे। वो नाना प्रकार की व्याधियों से ग्रसित हो गये थें । ओर वे आज कल लाल- नीली पीली गोलियों की फिराक में पड़ गए थे। जो डॉक्टर ने उनको कमजोर होती उनकी सेहत को देखकर लिख दिया था।

दरअसल उनको एकाकी जीवण और टाइम मैनेजमेंट के गुर सीखने की एक खब्त सवार हो गई थी लेकिन, उनको अपने समय प्रबंधन के लिए एक दिन में अड़तालीस घंटे का समय चाहिए था, लेकिन, हर आदमी की तरह उनके पास केवल चौबीस घंटे ही थे, लिहाजा, उनकी परेशानी पानी में मछली को देखकर उसके ऊपर निशाना साधने के जैसी थी। वो, दर असल एक ही समय में दो नावों पर सवार रहने वाले सांसारिक जीव थे। दर असल वो एक बड़ी कंपनी में मैनेजर थे और सुबह दस बजे से लेकर रात आठ बजे तक बॉस उनका तेल निकाल देता था। बचा-खुचा तेल चौपटलाल जी के शौक निकाल देते थे।

चौपटलाल जी बार जाने , डी. जे. पर गाना सुनने और घर आकर बारह-एक बजे तक मोबाईल पर रील्स बनाने के भी शौकीन थे, लेकिन, वो स्पाइडरमैन तो थे नहीं। वो , भी दो -हाथ, दो पैरों वाले आदमी थे। और उनकी इसी खब्त ने उनको चारों खाने चित्त कर दिया था। दर असल चौपटलाल जी को पुराने समय के अनुसार जीने की आदत डालनी थी। इसलिए वो ब्रह्म मूहर्त में उठ जाते थे। कुछ दिन वो गुरुजी के संपर्क में रहे। कहीं किसी अरण्य में जाकर उन्होंने गुरुजी की दिनचर्या के अवलोकन किया था। गुरुजी सुबह चार बजे ही उठ जाते और नहा -धोकर ईश्वर के भजन कीर्तन में लग जाते। फिर भोजन पकाते और भगवान का भजन करते। शाम छः बजते - बजते सो जाते। चौपटलाल जी दरअसल अपने पड़ोसी रिटायर्ड वर्मा जी को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी मानते थे। एक बार रिटायर्ड वर्मा जी ने चौपटलाल जी को चैलेंज कर दिया था कि वो सुबह ब्रह्म मूहर्त में उठ ही नहीं सकते। और ना ही सुबह - सुबह उठकर जॉगिंग के लिए जा सकते हैं।

हम लोगों की आदत है कि हम अपने प्रतिद्वंदियों की बहुत देखा-देखी करते हैं और हमेशा उनकी तरह ही बनना चाहते हैं। गुरुजी और वर्मा जी जहां रिटायर्ड थे। वहीं चौपटलाल जी की जिंदगी दौड़-भाग से भरी थी। लिहाजा वो चिड़चिड़े रहने लगे। मैंने चौपटलाल जी को समझाया। चौपटलाल जी घोड़े को देखकर गदहा अगर नाल ठुकवाने लगेगा। तो उसके तो बारह बज ही जाएंगे। इस कारण से ही आपके मुखारविंद की कांति कहीं खो गई है और आपका मुख मलिन- मलिन दिखता है। छोड़िए ब्रह्म मूहर्त को आप। फिर से कुंभ कर्ण की तरह मीठी नींद लीजिए और अपने चेहरे की आभा को चमकाईए !

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता
@RahulGandhi
आप कर्नाटक के लोगों से पूछ कर देख लें, सब यही कहेंगे - कांग्रेस जो कहती है वो कर के दिखा देती है।

राघव चड्ढा, राज्यसभा सांसद
@raghav_chadha
सिर्फ़ एक गठबंधन की वजह से BJP वाले देश का नाम मिटाने पर आतुर हो गये। BJP को ना India से प्यार है, ना भारत से, बीजेपी को सिर्फ़ सत्ता से प्यार है। सत्ता के लिए ये लोग देश का नाम तो क्या देश भी मिटा सकते हैं।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
देखें कि आप अपने आस-पास के लोगों के लिए अधिकतम उपयोगी कैसे हो सकते हैं - फिर आप स्वाभाविक रूप से उचित कार्य करेंगे।

श्री रवि शंकर, योग गुरु
@Srisri
अपनी पहचान के बारे में क्षमाप्रार्थी होना आपके आत्म-सम्मान को आघात पहुँचाता है। उसी समय, यदि आपको अपनी पहचान पर बहुत अधिक गर्व है, तो आप दूसरों को अलग-थलग कर देंगे।

गौर गोपाल दास, आध्यात्मिक गुरु
@gaurgopald
आशा मत खोना! अपना सर्वश्रेष्ठ देते रहें और ब्रह्मांड के समय पर विश्वास रखें !!

अरुण गोविल, अभिनेता
@arungovil12
धैर्य रखें सही समय आने पर आपके पास वो सबकुछ आयेगा, जिसके लिये आपने मेहनत की है।

नॉलेज कॉर्नर: शुरुआत में पिना डी इंडस रखा गया इसका नाम

क्रिस्टोफर ने की 'पाइनेप्पल' की खोज

एक स्वस्थ शरीर के लिए ताजा व सात्विक भोजन करना आवश्यक है। फलों का सेवन भी सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। बात जब फलों की हो तो इसकी लंबी फेहरिस्त है, जिसमें कई प्रकार के फल शामिल है। आम, केला, संतरा, सेब और न जाने कितने फल हैं। ऐसा ही एक फल है अनानास, जो वजन नियंत्रण में सहायक है। इसके अलावा यह फल भोजन पचाने में मदद करता है। व्रत व उपवास में अनानास के फल का जूस पीने से डिहाइड्रेशन की समस्या से निजात मिलती है। इसमें कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जैसे- मैग्नीशियम, क्लोरीन। यह हड्डियों को मजबूत बनाता है तथा शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है।आज के नॉलेज के कॉर्नर में जानते हैं अनानास के बारे में...

अनानास की खेती

अनानास की खेती 15 से 33 डिग्री तापमान के बीच की जाती है। इसकी खेती भारत में भी की जाती है, भारत में पश्चिमी समुद्री तटीय क्षेत्र और उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्रों में अनानास का उत्पादन किया जाता है। इसका सर्वाधिक उत्पादन छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर, बस्तर और सरगुजा क्षेत्रों में किया जाता है। अनानास का उत्पादन समुद्र तट से एक हजार से 2 हजार फीट की ऊंचाई पर करना लाभप्रद माना जाता है। यूं तो वर्षा ऋतु

में इसकी खेती करना सबसे अधिक उचित माना जाता है, लेकिन इसके अलावा किसी भी ऋतु में अनानास पैदा किया जा सकता है। इसमें औषधीय गुण सहित कई प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं। शरीर के अंदर मौजूद विषेले पदार्थों को बाहर निकालने में यह काफी मददगार है। इसमें क्लोरीन पाया जाता है, जो कि पित्त विकार और विशेष रूप से पीलिया रोग से निजात पाने में सहायक है। यह गले तथा मूत्र रोगों में, हड्डियों को मजबूत बनाने में मददगार है।

1493 में हुई थी खोज

इसकी खोज करने का श्रेय क्रिस्टोफर कोलंबस को जाता है, जिसने वर्ष 1493 में ग्वाडेलूप द्वीप पर अनानास खोज था। उस समय कोलंबस ने इसे पिना डी इंडस नाम दिया, जिसका अर्थ 'भारतीयों की पाइन' है। इसे पाइनएप्पल भी कहा जाता है। यह स्वाद में खट्टा होता है। अनानास का वैज्ञानिक नाम 'अनानास कोमोसस', जो कि एक उष्णकटिबंधीय पौधा है। मूल रूप से इसका पौधा पैराग्वे एवं दक्षिणी ब्राजील में पाया जाता है। इसका सेवन जूस तथा सलाद रूप में किया जाता है। भोजन करने के बाद मीठे के रूप में भी इसका सेवन किया जाता है। इसमें साइट्रिक अम्ल, उच्च स्तर का अम्ल, विटामिन सी प्रचुर मात्रा में मौजूद होता है। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ यह सर्दियों में होने वाले कई प्रकार के संक्रमण के खतरे को भी कम करने में सहायक है।

पहाड़ों पर की जाती है खेती

अनानास की पैदावार पहाड़ी क्षेत्रों में भी की जाती है। एक हेक्टेयर में अननास के करीब 15 से 20 हजार पौधे लगाए जा सकते हैं। भारत में बड़े पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। एक हेक्टेयर में लगभग 10 से 15 टन अनानास प्राप्त होते हैं। इसकी खेती के दौरान दो पौधो के बीच 25 सेमी की दूरी रखना जरूरी है।

कंटेंट: सुप्रिया सरकार

केजरीवाल ने मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी का चुनावी शंख फूंका, दी दस गारंटियां और जनसभा में कहा...

यहां दो पार्टियां भाजपा व कांग्रेस, इस बार दोनों को उखाड़ फेंक दो

एजेंसी | रीवा

छत्तीसगढ़ में चुनावी बिगुल फूंकने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को मध्य प्रदेश के रीवा में पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत की। केजरीवाल ने भाजपा के साथ कांग्रेस पर भी निशाना साधा और लोगों से अपील की है कि मध्य प्रदेश में दो पार्टियां हैं- भाजपा और कांग्रेस, दोनों को उखाड़ कर फेंक दो। ज्ञात रहे कि आम आदमी पार्टी भी कांग्रेस के साथ विपक्षी गठबंधन में शामिल

है। केजरीवाल ने लोगों से कहा, पहले इस्तेमाल करें फिर विश्वास करें। अगर आपको लगता है कि दिल्ली और पंजाब में काम किया है, तो हमें वोट दीजिए।

मध्य प्रदेश में की चुनावी गारंटी की घोषणा करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यहां दो पार्टियां हैं। एक बार इसका राज, एक बार उसका राज, इस बार इन दोनों पार्टियों को उखाड़कर फेंक दो। दिल्ली और पंजाब में फोन करके पूछ लेना कि केजरीवाल और भगवंत मान आए थे और ऐसी बातें कह रह थे, क्या दिल्ली और पंजाब में इन्होंने काम किए? अगर वे हां बोलें तो वोट देना वरना मत देना। मैं वादा करता हूं कि दोनों पार्टियों को भूल जाओगे। दिल्ली-पंजाब के स्कूल और अस्पतालों का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा, किसी पार्टी में ऐसे स्कूल-अस्पताल बनाने की हिम्मत नहीं। इनकी नीयत खराब है।

'इंडिया' नाम रखने से बौखलाई भाजपा

उन्होंने कहा कि 28 विपक्षी पार्टियों ने मिलकर इंडिया नाम से गठबंधन बनाया है। इससे भाजपा बौखला गई है। ये नाम सुनकर इतने पागल हो गए हैं कि देश का नाम बदलेंगे। कल अगर हम अपने गठबंधन का नाम भारत रख लेंगे तो भारत भी बदलोगे। इंडिया, भारत, हिंदुस्तान हमारे दिल में बसता है। ये भारत से प्यार नहीं करते, सत्ता से प्यार करते हैं। निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इनको सत्ता के लिए देश भी बेचना पड़ जाए तो भी बेच देंगे।

शिवराज सिंह का कांग्रेस व 'इंडिया' पर प्रहार

जबलपुर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सनातन धर्म के अपमान से जुड़े विवाद पर विपक्षी गठबंधन इंडिया और कांग्रेस पर एक बार फिर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इसका जवाब देना होगा। या तो उनको (डीएमके) गठबंधन से बाहर करो या तो तुम भी सनातन धर्म का अपमान करने वालों का साथ देकर देश का अपमान कर रहे हो। जनता इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी। चौहान ने जबलपुर में पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि इंडी गठबंधन ने सनातन धर्म का अपमान किया है। उन्होंने कहा, कौन सनातन को खत्म करेगा। सनातन का न आदि है और न अंत, ये अनंत है।

जनजातीय हीरो को किया नमन

इससे पहले चौहान सोमवार दोपहर जबलपुर पहुंचे और जनजातीय नायक अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह बलिदान दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। सीएम ने दोनों शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने ऐलान किया कि अब से हर साल इस बलिदान दिवस समोह का आयोजन मध्यप्रदेश सरकार करेगी। सीएम ने कहा कि शंकरशाह, रघुनाथ शाह ने भारत माता के लिए अपना सर्वोच्च जीवन निछावर कर दिया।

यूपी: लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं अपर्णा यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव आगामी लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। सोमवार को दिल्ली में भाजपा नेताओं से उनकी मुलाकात के बाद ऐसी चर्चाओं को और बल मिला है। कयास लगाए जा रहे हैं कि अपर्णा यादव इसी सिलसिले में दिल्ली पहुंचीं। यहां उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष और महासचिव सुनील बंसल से मुलाकात की। मुलायम सिंह के बेटे प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा यादव ने लखनऊ से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गई थीं। फिर लोकसभा चुनाव के दौरान अपर्णा ने संभल लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी का टिकट मांगा था। लेकिन अपर्णा को अखिलेश ने प्रत्याशी घोषित नहीं किया था। इस बीच संभल से शफीकुर रहमान को प्रत्याशी भी घोषित कर दिया गया था। विधान परिषद चुनाव के लिए भाजपा द्वारा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को प्रत्याशी बनाने के बाद अंदरखाने फूलपुर संसदीय सीट से अपर्णा यादव को उम्मीदवार बनाने के कयास लगाए जा रहे थे।

शिंदे गुट के MLA को अयोग्य घोषित करने का मामला

स्पीकर समय सीमा तय कर करें फैसला: SC

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष को एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों की अयोग्यता के मामले में नसीहत देते हुए कहा कि वह एक टाइमलाइन तय करें और उसमें फैसला लें। ऐसा नहीं हो सकता कि आप फैसला ही न लें। सुप्रीम कोर्ट ने 2 हफ्ते बाद मामले की आगे सुनवाई करने की बात कही है। इसके साथ यह भी कहा कि विधानसभा अध्यक्ष का कार्यालय उन्हें उस दिन अपनी तरफ से उठाए गए कदमों की जानकारी दे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अयोग्यता का मामला अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रह सकता। विधानसभा अध्यक्ष की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा, उनको फैसला तो लेना होगा। वह इस तरह नहीं कर सकते।

आखिर विधानसभा अध्यक्ष ने 11 मई के अदालत के फैसले के बाद क्या किया? दरअसल 11 मई को सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने कहा था कि इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष को ही फैसला लेना होगा। विधायकों की अयोग्यता पर फैसला करना उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर की बात है। यह याचिका शिवसेना के उद्धव गुट के सांसद सुनील प्रभु की ओर से दाखिल की गई थी। याचिका में कहा गया है कि कोर्ट के 11 मई के आदेश के बावजूद विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय ने शिंदे खेमे के विधायकों की अयोग्यता पर सुनवाई को तेज नहीं किया है। उन्होंने अदालत से मांग की थी कि वे विधानसभा अध्यक्ष को आदेश दें कि मामले में तय समय के अंदर ऐक्शन लिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, विधानसभा अध्यक्ष को सुप्रीम कोर्ट की गरिमा का सम्मान करना चाहिए।

संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत स्पीकर अनंतकाल तक किसी फैसले को अटका नहीं सकते। ज्ञात रहे कि सीएम एकनाथ शिंदे समेत 56 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता का मामला लंबित है, जिस पर स्पीकर ने कोई फैसला नहीं लिया है। उद्धव ठाकरे गुट ने पार्टी और उसका चुनाव चिह्न एकनाथ शिंदे को दिए जाने के खिलाफ भी याचिका दाखिल की है।

उद्धव ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में चुनाव आयोग का फैसला रद्द करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि विधायक दल में हुई टूट को पार्टी की टूट कहना गलत है।

इसलिए अहम होगा यह फैसला

दरअसल 50 से ज्यादा विधायकों की सदस्यता पर तलवार लटकी हुई है। यदि फैसला उनके खिलाफ जाता है तो महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज हो जाएगी। फिलहाल राकांपा का अजित पवार गुट भी सत्ता में शामिल है। इस गुट के साथ आने के बाद से ही कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा ने बैकअप प्लान के तहत ऐसा किया है। यदि एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों की सदस्यता जाती है, तो अजित पवार गुट के समर्थन से सत्तारूढ़ गठबंधन सत्ता में बना रह सकता है।

कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार में लिप्त है छत्तीसगढ़ सरकार

एजेंसी | अंबिकापुर

अंबिकापुर में भाजपा की परिवर्तन यात्रा में पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार में लिप्त है। राज्य में भ्रष्टाचारियों के यहां छापे पड़े तो सरकार में बैठे लोग बिलबिला रहे हैं कि छापे नहीं पड़ने चाहिए।

दूसरे चरण की परिवर्तन यात्रा में शामिल होने पहुंचे मौर्य अंबिकापुर पहुंच राजपुर में यात्रा में शामिल हुए। सामरी विधानसभा क्षेत्र के राजपुर में परिवर्तन यात्रा की आमसभाओं को संबोधित करते हुए मौर्य ने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में अपराध खत्म हो सकते हैं तो छत्तीसगढ़ में क्यों नहीं? उन्होंने कोयला खदान घोटाला और गोबर खरीद में घोटाले का जिक्र करते हुए जनता से पूछा कि कितने लोगों के घर से गोबर खरीदा जा रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञापन यूपी में छपता है और छत्तीसगढ़ के लोगों का गोबर नहीं खरीदा जा रहा है। यह सीधे तौर पर बड़ा घोटाला है। मौर्य ने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि सीधे गरीबों के खाते में न भेजी जाए और भूपेश सरकार को भेज दी जाए, तो वे उसमें भी कमीशन खा लेंगे।

अयोध्या: धर्म संसद में चेतावनी

उदयनिधि ने माफी नहीं मांगी तो करेंगे तमिलनाडु कूच

एजेंसी | अयोध्या

अयोध्या में सोमवार को आयोजित धर्म संसद में साधु संतों ने फैसला किया कि तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन समेत अन्य नेता सनातन धर्म पर अमर्यादित टिप्पणियों के लिए एक सप्ताह के भीतर माफी नहीं मांगते हैं तो देश के हजारों संत-धर्माचार्य तमिलनाडु के लिए कूच कर वहां विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि संत समाज सनातन धर्म का अपमान करने वाले लोगों को अयोध्या में प्रवेश भी नहीं करने देगा।

धर्म संसद तपस्वी छावनी में साधु-संतों की ओर से बुलाई गई थी। जिसमें हनुमानगढ़ी समेत प्रमुख मठ मंदिरों के धर्माचार्य और महंत शामिल हुए। धर्म संसद में यह भी कहा गया कि सनातन धर्म के समाप्त करने की बात करने वालों पर रासुका लगाया जाए या माफी मांगने के लिए कहा जाए। पीठाधीश्वर तपस्वी छावनी के जगदगुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि सनातन धर्म को मानने वाले लोगों को अपमानित करने का काम किया जा रहा। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग ही असंवैधानिक बयान दे रहे हैं। देश के 120 करोड़ सनातनी अभी जिंदा हैं। ऐसी टिप्पणी

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को समाप्त करने का मतलब है कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के दिए संविधान की हत्या, 120 करोड़ सनातन धर्म को मानने वाले लोग हैं। सनातन धर्म को खत्म करने की बात कहना राष्ट्र विरोधी बयान है। भड़काऊ बयान देनेवालों पर कार्रवाई होनी चाहिए। संकटमोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास ने कहा कि जो भी लोग सनातन धर्म की निंदा व कटाक्ष कर रहे हैं। उन्हें पता नही सनातन धर्म सबकी जननी है। यदि सनातन धर्म पर अमर्यादित टीका-टिप्पणी बंद नही हुई तो वह राष्ट्रपति से मिलेंगे। इसके बाद वह संसद भवन का घेराव करेंगे। श्रीनिर्वाणी अनी अखाड़ा के श्रीमहंत मुरली दास ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन, ए राजा, स्वामी प्रसाद मौर्या जैसे लोग धर्म विरोधी हैं, इनका पतन निश्चित है।

सिंधिया समर्थक दो नेताओं का BJP से इस्तीफा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। इंदौर में भाजपा नेता दिनेश मल्हार और प्रमोद टंडन ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफ़ा दे दिया है। दोनों नेता कुछ महीनों पहले ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। बता दें, इंदौर के नेता प्रमोद टंडन ज्योतिरादित्य सिंधिया के कट्टर समर्थक रहे हैं, लेकिन अब उनका भाजपा से इस्तीफा देना पार्टी के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है।

BRS नेताओं का पलटवार, कहा...

कांग्रेस के झूठ व काल्पनिक वादों पर लोगों को विश्वास नहीं

एजेंसी | हैदराबाद

भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस के चुनावी वादों को लेकर उस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती हैं तो तेलंगाना का आत्मसम्मान गिरवी रख दिया जाएगा। बीआरएस नेता के कविता ने कांग्रेस की 'छह गारंटी' घोषणा पर खरी-खोटी सुनाई है। रामाराव ने सोमवार को आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में

कहा, आधी सदी तक कांग्रेस का शासन 'धोखाधड़ी, छल और विश्वासघात' से भरा रहा और तेलंगाना की जनता उसके झूठ और काल्पनिक गारंटी पर विश्वास नहीं करेगी। उन्होंने आगे कहा कि अगर 'दिल्ली की कठपुतलियां' सत्ता में आती हैं तो गारंटी है कि तेलंगाना का आत्मसम्मान गिरवी रख दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने रविवार को 6 गारंटी की घोषणा की, जिसमें महिलाओं को 2,500 रुपए प्रति माह और 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा शामिल है। इसके अलावा पार्टी ने सत्ता में आने पर सभी घरों में 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया।

पीएम मोदी 23 को वाराणसी के दौरे पर जाएंगे

एजेंसी | वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 सितंबर को वाराणसी के दौरे पर आ रहे हैं। वह गंजारी और रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंट में आयोजित दो कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके लिए प्रशासन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी वाराणसी पहुंचे हैं। यहां उन्होंने अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यक्रमों की व्यवस्था का निरीक्षण किया। स्थलीय निरीक्षण के बाद सीएम ने सर्किट हाउस में बैठक कर विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

कावेरी जल विवाद: सीडब्ल्यूएमओ का कर्नाटक को निर्देश...

तमिलनाडु के लिए पन्द्रह दिनों तक छोड़ें 5000 क्यूसेक पानी

एजेंसी | नई दिल्ली

कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने कर्नाटक से तमिलनाडु के लिए अगले 15 दिनों तक 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ना जारी रखने को कहा है।

यह निर्देश सोमवार को एक आपातकालीन बैठक के बाद आया जिसमें कर्नाटक और तमिलनाडु दोनों ने अपने प्रतिनिधि भेजे। जल शक्ति मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया

कि बैठक में कर्नाटक ने कहा कि वह 3,000 क्यूसेक पानी छोड़ सकता है जबकि तमिलनाडु ने 12,500 क्यूसेक पानी की मांग की। उन्होंने कहा कि अगले 15 दिनों के लिए 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने पर सहमति बनी है, जिसके बाद मामले की फिर से समीक्षा की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि कर्नाटक में कावेरी बेसिन में सूखे की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए राज्य ने कहा कि वह तब तक पानी छोड़ने की स्थिति में नहीं है, जब तक कि जलाशयों के प्रवाह में सुधार नहीं होता है। कावेरी बेसिन में सूखा बढ़ रहा है, जो पीने के पानी की जरूरतों और सिंचाई की न्यूनतम जरूरतों को भी जोखिम में डाल रहा है।

मध्य प्रदेश की चिट्ठी

चुनावी दौड़ जीतने के लिए भाजपा और कांग्रेस में लगी है वादों की होड़

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए तिथियों की घोषणा अभी होनी है, लेकिन सत्ता की दावेदार दोनों पार्टियां सत्तारूढ़ भाजपा और प्रतिपक्ष में बैठी कांग्रेस ने अपना चुनावी अभियान तेज कर दिया है। दोनों पार्टियां लोगों से एक से बढ़कर एक वादे कर रही हैं। आमआदमी पार्टी भी इस होड़ में शामिल हो गई है। भाजपा जन आशीर्वाद यात्रा निकाल रही है जिनके जवाब में कांग्रेस ने जनआक्रोश यात्रा निकालने की घोषणा की है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने शनिवार को अपनी भोपाल यात्रा के दौरान यह घोषणा की थी। कांग्रेस की जन आक्रोश

यात्रा करीब 11 हजार किमी का सफर तय करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने जनादेश मिलने पर राज्य के पिछड़े समुदायों को 27 फीसदी आरक्षण देने और जाति आधारित जनगणना कराने का भी वादा किया है। कांग्रेस जाति आधारित जनगणना को मुख्य चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। । दूसरी ओर भाजपा के सामने सबसे अहम चुनौती चुनावों से पहले सत्ता विरोधी रुझान का शमन करने की है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पार्टी इसके लिए 2008 और 2013 का फॉर्मूला अपनाने पर विचार कर रही है, जब पार्टी ने हार की आशंका वाली सीटों पर नए प्रत्याशियों को मौका दिया था। तब पार्टी ने करीब 70 सीटों पर नए प्रत्याशी उतारे थे। समझा जाता है कि पार्टी इस बार भी उन सीटों पर नए प्रत्याशियों को मौका देने पर मंथन कर रही हैं, जहां मौजूदा विधायकों के जीतने के संभावनाओं पर पार्टी के सर्वे में सवालिया निशान लगे हैं।

भाजपा की लाडली बहना योजना के जवाब में कांग्रेस ने की कई राहतभरी घोषणाएं

भाजपा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लाडली बहना योजना के माध्यम से आधी आबादी तक पहुंचने के प्रयासों में जुटी हैं और उसे लगता है कि यह योजना उसके लिए चुनावी संबल बन सकती है। मुख्यमंत्री ने इस योजना के तहत कई घोषणाएं की हैं जिसमें महिलाओं को हर माह 1250 रुपए देने और बाद में बढ़ाकर प्रतिमाह 3000 रुपए करना शामिल है। इसके अलावा पात्र परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर 450 रुपए में उपलब्ध कराने की घोषणा भी शामिल है। इसके अलावा भी मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के लिए कई घोषणाएं की थी। दूसरी ओर कांग्रेस भी वादे करने में किसी सी पीछे नहीं है। पार्टी ने 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने, 100 यूनिट मुफ्त बिजली और 200 यूनिट तक 50 फीसदी सब्सिडी देने का वादा किया हैं। इसके अलावा पार्टी ने राज्य में महिलाओं को 1,500 रुपए प्रति माह और किसानों को 5 हॉर्स पावर तक मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया है। कांग्रेस सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना की बात पहले से ही कहती रही है।

जातीय समीकरण साधने की कोशिश

अगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही जातीय समीकरण साधने की भी पूरी कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री चैहान ने गत दिनों राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार किया तो इस गणित को भी साधा। तीन मंत्रियों को शपथ दिलाई गई जिसके माध्यम से ब्राह्मण समाज व पिछड़े वर्ग को साधने की कोशिश की गई। पिछड़े वर्ग के दो व ब्राह्मण समाज के एक सदस्य को मंत्री बनाया गया। इसके अलावा दलित समुदाय को साधने के लिए संत रविदास मंदिर के पुनरुद्धार का काम आगे बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले माह संत रविदास मंदिर निर्माण की शुरुआत करने बुंदेलखंड अंचल के सागर आए तो इसके कुछ दिन बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी वहां जनसभा की। इसे राजनीतिक क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के वोटों को साधने की कवायद के रूप में ही देखा गया।

जरूरी खबर

SC ने हेमंत सोरेन को दी हाई कोर्ट में जाने की सलाह

नई दिल्ली। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मना कर दिया। सोरेन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय के समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे पहले झारखंड हाई कोर्ट जाने को कहा। सोरेन को ईडी ने जमीन घोटाले में पूछताछ के लिए अपने रांची दफ्तर में बुलाया था, लेकिन वह अभी तक वहां नहीं गए हैं। सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने शीर्ष अदालत में दावा किया कि यह पूरी तरह से पीछे पड़ जाने का मामला है। इस पर जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा, आप हाई कोर्ट क्यों नहीं जाते? आप हाई कोर्ट जाइए। हम आपको याचिका वापस लेने की अनुमति देंगे।

होयसला मंदिर UNESCO लिस्ट में हुए शामिल

बेंगलुरु। कर्नाटक में होयसला के पवित्र मंदिर समूह को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा के होयसला मंदिरों को इस सूची में जगह मिली है। ये देश की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की गवाही देते हैं। इससे पहले, रविवार को पश्चिम बंगाल के शांतिनिकेतन को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था। होयसला मंदिर 12वीं-13वीं शताब्दी में बनाए गए थे। होयसला राजवंश कला और साहित्य के संरक्षक माने जाते रहे, जिनकी यह राजधानी थी। मालूम हो कि होयसला के ये पवित्र स्मारक 15 अप्रैल 2014 से ही यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल थे।

9 पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों ने लिखा पीएम मोदी को पत्र

नई दिल्ली। संसद का विशेष सत्र शुरू होने से पहले 9 पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों से नियुक्ति से संबंधित विधेयक के उस प्रावधान को खत्म करने की बात कही है जिसमें कहा गया कि इनका दर्जा सुप्रीम कोर्ट के जजों के बराबर से घटाकर कैबिनेट सचिव के बराबर हो। इन पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों में एम लिंगदोह, टी एस कृष्णमूर्ति, एन गोपालस्वामी, एस वाई कुरैशी, वी एस संपत, एच एस ब्रह्मा, सैयद नसीम जैदी, ओ पी रावत और सुशील चंद्र के नाम शामिल हैं।

हैदराबाद मुक्ति दिवस... रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

हैदराबाद। देश की आजादी के बाद तत्कालीन हैदराबाद रियासत के भारतीय संघ में विलय को लेकर रविवार को कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाग लिया था। इस दौरान समारोह में विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

नया संसद भवन: संसदीय इतिहास में आज से शुरू होगा नया दौर

हाथ में संविधान लिए PM मोदी के साथ पैदल जाएंगे सभी MP

एजेंसी | नई दिल्ली

मंगलवार को सदन के विशेष सत्र की कार्रवाई नए सदन में होगी। इसके लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। नई संसद में सांसदों के प्रवेश को खास बनाने की तैयारी है। सभी सांसद पुरानी संसद से नई बिल्डिंग पैदल जाएंगे।

सभी सांसद अपने हाथ में संविधान की प्रति लेकर चलेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सांसदों को लीड करेंगे। इसके बाद नए सदन में प्रधानमंत्री मोदी और राज्यसभा के सभापति का भाषण होगा। इस मौके पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, शिबू सोरेन जैसे वरिष्ठ सांसदों, जो दोनों सदनों के सदस्य रहे हैं, उनको केंद्रीय हॉल में संबोधन के लिए आमंत्रित किया गया है।

आम सहमति बनाई जा सकती थी: इस बीच, कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने संबंधी खबर का स्वागत किया। पार्टी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में इस पर चर्चा कर आम सहमति बनाई जा सकती थी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उनका दल लंबे समय से इस विधेयक को पारित करने की मांग कर रहा है। उन्होंने अपने एक पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक की पृष्ठभूमि का हवाला दिया गया था।

यह साहस मोदी सरकार में था: केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने ट्वीट किया कि महिला आरक्षण की मांग को पूरा करने का नैतिक साहस केवल मोदी सरकार में था। कैबिनेट की मंजूरी से यह साबित हो गया है। पीएम मोदी और उनकी सरकार को बधाई।

महिला आरक्षण विधेयक: पहले राजद-सपा ने किया था विरोध, अब क्या होगा रुख!

इस बीच, यह साफ हो गया है कि सरकार विशेष सत्र के दौरान बुधवार को महिला आरक्षण विधेयक पेश कर सकती है। संसद के विशेष सत्र से पहले रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के ज्यादातर नेताओं ने महिला आरक्षण बिल लाने की वकालत की थी। जानकारों का कहना है कि यदि यह विधेयक पारित हो गया तो देश की तस्वीर बदल जाएगी। यूपीए एक के कार्यकाल में 2010 में राज्यसभा में यह विधेयक पारित हो गया था लेकिन लोकसभा में अटक गया। तब राजद और समाजवादी पार्टी ने जाति के हिसाब से महिला आरक्षण की मांग करते हुए इसका विरोध किया। अब देखना है कि ये पार्टियां विधेयक पर क्या रुख अपनाते हैं। इस पर सभी की निगाहें रहेंगी।

ऐसे चली महिला आरक्षण विधेयक की यात्रा

1996 से संसद में लंबित है महिला आरक्षण बिल

महिला आरक्षण विधेयक एचडी देवगौड़ा की सरकार के समय 12 सितंबर 1996 को संसद में पेश किया गया था। तब से लेकर अब तक ये बिल 27 वर्षों से ज्यादा समय से लंबित है। इस विधेयक का मुख्य लक्ष्य महिलाओं के लिए लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में 15 साल के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित करना है।

पूर्ववर्ती सरकारों में भी कई बार हुई लागू करने की कोशिशें

पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने 1998 में लोकसभा में इस विधेयक को आगे बढ़ाया, लेकिन ये फिर भी पारित नहीं हुआ। वाजपेयी ने 1998 में अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में 33 फीसदी आरक्षण का उल्लेख किया था। यूपीए-1 की सरकार के दौरान 6 मई, 2008 को इस विधेयक को राज्यसभा में दोबारा पेश किया गया। 9 मई, 2008 को विधेयक संसद की स्थायी समिति को भेज दिया गया। स्थायी समिति ने 17 दिसंबर, 2009 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। केंद्रीय कैबिनेट ने फरवरी 2010 में इस विधेयक को मंजूरी दे दी। इसके बाद 9 मार्च, 2010 को राज्यसभा से पारित हो गया, लेकिन लोकसभा में लंबित था।

पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी

संविधान के अनुच्छेद 243D के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण प्रदान किया गया। चुनाव से भरी जाने वाली सीटों की कुल संख्या और पंचायतों के अध्यक्षों के पदों की संख्या में महिलाओं के लिए कम से कम एक तिहाई आरक्षण है। कई अपने-अपने राज्य में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया है।

महिला मतदाता तय करती हैं हार-जीत का फैसला

देश की आधी आबादी के वोटों की हर चुनाव में अहम भूमिका होती है। माना जाता है कि चुनाव में महिलाओं के वोट जिसके साथ होते हैं, वो ही जीतता है। उदाहरण के तौर पर कुछ आंकड़े देखे जा सकते हैं।

2019 के लोकसभा चुनाव में भूमिका

भारत में मतदाताओं की बात करें तो पुरुष मतदाता की संख्या 47.27 करोड़ और महिला मतदाताओं की संख्या 43.78 करोड़ है। प्रतिशत के आंकड़ों में पुरुष मतदाता लगभग 52 फीसदी और महिला मतदाता लगभग 48 फीसदी हैं। वहीं, मतदान के मामले में भी पुरुषों से महिलाएं आगे रही हैं।

इसरो की एक और कामयाबी

सूर्य के बारे में राज खोलने लगा आदित्य एल1

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने सूर्य के अध्ययन के लिए भेजे गए आदित्य एल1 को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। इसरो का कहना है कि पृथ्वी की कक्षा में रहते हुए ही आदित्य एल-1 ने आंकड़े इकट्ठे करने शुरू कर दिए है। पृथ्वी से 50 हजार किलोमीटर की दूरी पर सुपर थर्म आयनों और ऊर्जावान कणों, इलेक्ट्रॉनों को नापने का काम आदित्य एल-1 में लगा पेलोड (STEP) शुरू कर चुका है। इसका पूरा नाम सुप्रा थर्मल एंड एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर है। इस उपकरण के सेंसर ने काम करना शुरू कर दिया है।

बता दें कि सुपर थर्मल से मतलब उस प्रक्रिया से है जब खास कणों का तापमान अपने आस पास के कणों से ज्यादा होता है। STEPS में 6 सेंसर लगे हुए हैं जो कि हर दिशा से नजर रख रहे हैं और सुप्रा थर्मल और एनर्जेटिक आयन्स की जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं।

पृथ्वी की कक्षा में रहकर मिलने वाले ये आंकड़े वैज्ञानिकों को पृथ्वी के पास के पार्टिकल्स के व्यवहार के बारे में पता लगाने में सहयोग करेंगे। खासकर यह पता लगाया जाएगा कि पृथ्वी की चुंबकीय क्षेत्र में ये पार्टिकल कैसा व्यवहार करते हैं।

इसरो ने बताया कि स्टेप्स को 10 सितंबर को ऐक्टिव कर दिया गया था। खुशखबरी यह भी है कि पृथ्वी से 50 हजार किलोमीटर की दूरी पर भी स्टेप्स ठीक से काम कर रहा है। बता दें कि आदित्य एल1 मिशन को दो सितंबर को लॉन्च किया गया था।

उड़ान भवन का उद्घाटन

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को नई दिल्ली में सफदरजंग एयरपोर्ट पर एकीकृत कार्यालय परिसर 'उड़ान भवन' का उद्घाटन किया।

J&K:आतंकवादियों के खिलाफ अभियान जारी, एक आतंकी का शव बरामद

आतंकियों के पांच ठिकाने नष्ट, सीआरपीएफ के कोबरा कमांडो तैनात

एजेंसी | श्रीनगर/ कुपवाडा

कश्मीर घाटी के अनंतनाग जिले में कोकरनाग इलाके में छिपे आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान सोमवार को छठे दिन भी जारी रहा। सुरक्षा बलों ने ड्रोन, रॉकेट लॉन्चर, आईईडी आदि का प्रयोग कर आतंकियों के करीब पांच ठिकाने नष्ट कर दिए गए हैं।

यहां से एक जला हुआ शव भी बरामद किया गया है, जो माना जा रहा है कि आतंकवादी का है। इस बीच, 'जंगल वॉरफेयर' में कुशल माने जाने वाले सीआरपीएफ की कोबरा कमांडो को जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में तैनात किया गया है। बिहार और झारखंड जैसे नक्सल प्रभावित इलाकों के बाद यह पहली बार है जब सीआरपीएफ के सबसे घातक कोबरा कमांडो घाटी में तैनात किए गए हैं। अनंतनाग एनकाउंटर के बीच यह बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि विभिन्न चरणों में कोबरा कमांडो की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

फाइल फोटो

सूत्रों के अनुसार छह माह पहले कोबरा यूनिट को जम्मू-कश्मीर में भेजा गया था। कमांडो की ट्रेनिंग अब पूरी हो गई है। हालांकि जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से 'सीआरपीएफ' तैनात है। वहां पर आतंकियों के खिलाफ विभिन्न अभियानों में सेना की राष्ट्रीय राइफल और पुलिस के साथ सीआरपीएफ भी रहती है। सूत्रों ने कहा कि कमांडो बटालियन फॉर रिजोल्यूट एक्शन (कोबरा) इकाइयां, जो पहले बिहार और झारखंड में तैनात थीं, अप्रैल में प्रशिक्षण के लिए लाए जाने के बाद कश्मीर के कुपवाड़ा में तैनात की गईं। हालांकि, उन्हें अभी तक कोई असाइनमेंट नहीं दिया गया था। एक सूत्र ने कहा, लेकिन अब, वे तैनाती के लिए तैयार हैं। कोबरा यूनिट का गठन 'यूएस मेरिन कमांडो फोर्स' की तर्ज पर हुआ था। अब ये कमांडो, बहादुरी के कई कारनामों में यूएस मेरिन कमांडो से आगे निकल चुके हैं। उल्लेखनीय है कि अनंतनाग में तकरीबन एक सप्ताह से आतंकियों के खिलाफ सेना का बड़ा ऑपरेशन चल रहा है।

जंगल में लड़ाई में है महारथ हासिल

कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (CoBRA) सीआरपीएफ की एक विशेष गुरिल्ला युद्ध कमांडो इकाई है, जिसके पास जंगलों में लड़ने में व्यापक विशेषज्ञता है। अधिकांश कोबरा टीमें, इनके कमांडो जवानों में कठोर मानसिक और अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में लड़ने में महारथ हासिल है।

यूएस मेरिन कमांडो से आगे हैं कोबरा कमांडो

वैश्विक आतंकी संगठन, अलकायदा सरगना लादेन को मार गिराने वाले यूएस मेरिन कमांडो बिना किसी मदद के जंगल में लगातार तीन रातों तक लड़ सकते हैं। दूसरी ओर कोबरा के हर जवान के लिए ट्रेनिंग के दौरान सात दिन तक जंगल में लड़ने की परीक्षा पास करना अनिवार्य है। कोबरा ने सारंडा (झारखंड) के घने जंगलों में 11 दिन तक बिना किसी सहायता के एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया था। वजन लेकर जंगल में नियमित रूप से लड़ते रहने का रिकॉर्ड ब्रिटेन के विशिष्ट कमांडो दस्ते 'एसएएस' के नाम पर है। यह दस्ता 30 किलो वजन उठाकर दस रातें जंगल में गुजार सकता है, जबकि कोबरा 23 किलो वजन के साथ 11 रातों तक गहन जंगल से गुजरने में समर्थ है।

आतंकियों ने बदली रणनीति

सीमा पार से घुसपैठ करके आने वाले आतंकवादियों ने पनाह लेने की रणनीति बदल दी है। यह आतंकवादी अब रिहायशी इलाकों की जगह पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद गुफाओं का सहारा ले रहे हैं। 70 से 80 डिग्री ऊंचाई वाले पहाड़ों में छिपकर आतंकी वारदात कर रहे हैं, ताकि सेना को ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सके। आतंकी वारदातों को अंजाम देने के लिए गुफाओं से बाहर निकलते हैं और फिर वहीं छिप जाते हैं। इसके लिए एलओसी के नजदीक पाकिस्तानी सेना के कैंपों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो पीर पंजाल की पहाड़ियों में छिपे आतंकी ऐसा ही कर रहे हैं। राजोरी, पुंछ, रियासी और अब अनंतनाग के कोकरनाग में भी आतंकी भी गुफाओं का सहारा ले रहे हैं। आतंकवादियों के लिए यह गुफाएं स्थानीय वर्कर तलाश रहे हैं। इन गुफाओं में कैसे रहना है, इसके लिए आतंकियों को पाकिस्तान से बाकायदा प्रशिक्षण देकर भेजा जा रहा है। इन गुफाओं में रहने के लिए आतंकियों को विशेष कपड़े, जूते, हाथों में पहनने वाले दस्ताने, एक बार खाने पर महीने तक भूख न लगने वाले खाद्य पदार्थ, दवाइयां आदि देकर भेजा रहा है।

'ए सूफी इवनिंग': राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में मनोरम संगीत कार्यक्रम

सजी संगीत और भावपूर्ण धुनों की शाम

बेधड़क.जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में मनोरम संगीत कार्यक्रम 'ए सूफी इवनिंग' प्रस्तुत किया गया। मनोरम संगीत कार्यक्रम को कोलकाता की प्रसिद्ध तबला वादक रिम्पा शिवा और चंडीगढ़ की डॉ. ममता जोशी ने सजाया। कार्यक्रम की शुरुआत कोलकाता की रिम्पा शिवा के 30 मिनट के एकल तबला प्रदर्शन से हुई। इसके बाद डॉ. ममता जोशी की रूह कंपा देने वाली 'सूफी शाम' खास रही। भारतीय सूफी गायक डॉ. जोशी के प्रदर्शन अद्वितीय संगीत प्रयोगों के साथ दो घंटे के मनोरम सूफी गायन रहा। इस अवसर पर जयपुर राइट्स में कलाकारों को अपने-अपने अंदाज में चिरूप किया। सूफी नागमन के बीच कला प्रेमी रात से राज मिलाते नजर आए कलाकारों का मंच से ही सम्मान भी किया गया।

राजस्थान ललित कला अकादमी
दस कलाकारों की कलाकृतियों को मिलेगा पुरस्कार

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान ललित कला अकादमी की 64वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी के निर्णायक मंडल ने राज्य के 10 कलाकारों की कलाकृतियों को पुरस्कार योग्य घोषित किया गया। इसमें डॉ.अमिता राज गोयल (रिक्रियेटिंग नेचर-2), दिशांक शर्मा (स्मृति), महेश कुमार कुमावत (सनातन) शिखा (देयर ईज समथींग), सोम्य यादव (साईनम ऑफ सैल्फ), नकुल गोदारा(शेडो), अमर प्रजापत (जयपुर अरावली-1), प्रभु लाल गमेती (अनटाईडल्ड-2), उदित अग्निहोत्री (किंगडम), दीपिका रावजानी (लाईफ एण्ड डेथ) शामिल हैं। इस प्रदर्शनी के लिए राज्य भर से 169 कलाकारों की 505 चित्र एवं मूर्तिशिल्प प्राप्त हुई थी, जिसमें से निर्णायक मंडल ने प्रदर्शनी के लिए 64 कलाकारों की 78 कलाकृतियों का चयन किया। इनमें पुरस्कृत कलाकृतियां भी सम्मिलित है। प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर पुरस्कृत 10 कलाकारों को पच्चीस-पच्चीस हजार रुपए के नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए जाएंगे।

भक्ति भाव से मनाया रोट तीज पर्व

बेधड़क. जयपुर। दिगंबर जैन धर्मावलंबियों ने रोट तीज पर्व भक्ति भाव से मनाया। श्रद्धालुओं ने चौबीस तीर्थंकरों की 72 कोठे का मंडल मांडकर तीन चौबीसी का पूजा विधान किया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार भक्ति भाव से चौबीस तीर्थंकरों की पूजा के बाद तीनों काल के 108 जाप्य किए गए। महिलाओं ने व्रत उपवास किए। भक्तों ने बताया कि यह व्रत तीन साल तक किया जाता है। इस व्रत से अक्षय निधि की प्राप्ति होती है। भट्टारक परम्परा से रोट तीज की शुरुआत हुई। इसे त्रैलोक्य (त्रिलोक) तीज भी कहते हैं। रविवार को सुगंध दशमी मनाई जाएगी। इस दिन मंदिरों में चंदन की धूप अग्नि पर खेई जाएगी।

बेधड़क. जयपुर। जैन समाज के मंगलवार से प्रारंभ होने जा रहे दशलक्षण महापर्व के लिए जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में चावल से तैयार बहुरंगी कलात्मक विधान मंडल।

बिड़ला कप पोलो मैच का आगाज आज से

बेधड़क. जयपुर। बीएम बिड़ला कप के साथ सितंबर पोलो सीजन मंगलवार से शुरू होगा। टूर्नामेंट में 10 टीमें भाग लेंगी। इन टीमों को 3 पूल में विभाजित किया गया है, जो कि मेफेयर पोलो, वी पोलो, टोपची, चूंडा पोलो, जयपुर, बैंगलोर ग्रेज और कर्नल गिरधारी सिंह एएससी हैं। फाइनल 24 सितंबर को खेला जाएगा। इस सीजन में कुल 5 टूर्नामेंट्स होंगे। यह मैच 61 कैवेलरी ग्राउंड और राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेले जाएंगे। वहीं टूर्नामेंट के फाइनल और एग्जीबिशन मैच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेले जाएंगे। सीजन का समापन 22 अक्टूबर को होगा।

City इवेंट्स

निरंजन लाल सैनी बने निर्विरोध अध्यक्ष

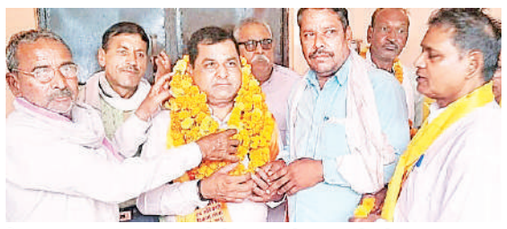

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान सैनी अधिकारी एवं कर्मचारी विकास संस्था के जिला अध्यक्ष निरंजन लाल सैनी द्वारा अलवर किशनगढ़-बास के वरिष्ठ अध्यापक मिश्री लाल सैनी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। बनवारी लाल, रामपाल,भारत, रामस्वरूप सैनी, एडवोकेट मुकेश सैनी, मोहनलाल सैनी, बारह गांव सैनी समाज प्रधान रामअवतार, संरक्षक तेजराम सैनी व दीपक सैनी आदि की उपस्थिति में उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

जयपुर में गूंजेंगे सदाबहार नगमे

बेधड़क. जयपुर। हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम युग के अमर गीतकार, संगीतकार, गायक-गायिकाओं के सदाबहार नगमों की प्रस्तुतियां लाइव बैंड के साथ दी जाएंगी। मौका होगा महाराणा प्रताप सभागार में 23 सितंबर को शाम 6 बजे होने वाले कार्यक्रम का। कार्यक्रम संयोजक आमोद चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम में कुछ मशहूर नगमे जो आम तौर पर स्टेज पर कम देखने सुनने को मिलते हैं, प्रस्तुत किए जाएंगे। इस मौके पर आमोद के साथ अविरल चतुर्वेदी, सलीम, डॉ. प्रशस्ति जैन, नीलम शर्मा, मीनाक्षी माथुर और गीतिका चतुर्वेदी भी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी नरेश ठकराल, राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रेसिडेंट डॉ. केएल जैन और वाइस प्रसिडेंट डीएस भंडारी, समाज सेविका जयश्री भंडारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का मंच संचालन आभा द्विवेदी द्वारा किया जाएगा।

जेपीएल का आयोजन 21 अक्टूबर से

बेधड़क. जयपुर। राजधानी में आईपीएल की तर्ज पर जाट प्रीमियर लीग का आयोजन 21 अक्टूबर को किया जाएगा। इसमें राजस्थान के अलावा बाहरी राज्यों के खिलाड़ी भी भाग लेंगे। इसके अलावा इस लीग में समाज के कई वरिष्ठ लोग भी मौजूद रहेंगे। आयोजन समिति के चेयरमैन विक्रम सिंह चौधरी ने सोमवार को प्रेसवार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि इस लीग में विजेता खिलाड़ियों को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया जाएगा। लीग 21 अक्टूबर से शुरू होगी और फाइनल मैच 29 अक्टूबर को खेला जाएगा। लीग में 16 टीम भाग लेंगी। आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने बताया कि क्रिकेट प्रतियोगिता का प्रमुख उद्देश्य जाट खिलाड़ियों को आईपीएल जैसे मैचों में खेलने का मौका दिलाना है। इस मौके पर बिर्जेश चौधरी, प्रांजल सिंह, डॉ. अशोक चौधरी, प्रमोद समेत कई लोग मौजूद रहे।

मुक्त मंच जयपुर की 73वीं मासिक बैठक
'आम आदमी को सरकारी तंत्र के भ्रमजाल से रहना होगा सावधान'

बेधड़क | जयपुर

राजनीति की अवधारणा में नीति प्रमुख है और उसकी एक आचार संहिता है, जिसमें प्रजा का मंगल और उसका कल्याण निहित है, लेकिन धीरे-धीरे नीति गौण हो गई और राजनीति में विकृतियां आ गई। मुक्त मंच जयपुर की 73वीं मासिक बैठक में यह विचार प्रतिष्ठित विद्वान डॉ.नरेंद्र शर्मा कुसुम ने जन कल्याण और रेवड़ी कल्चर विषय पर अध्यक्षीय संबोधन में व्यक्त किए।

शब्द संसार के अध्यक्ष श्रीकृष्ण शर्मा के संयोजन में यह संगोष्ठी हुई। डॉ. कुसुम ने कहा कि आमजन को सत्ता तंत्र के वायदों और भ्रमजाल के प्रति सजग रहकर लोकतंत्र की अस्मिता को बचाना होगा। शिक्षा, समाज सेवा, धर्म में ऊंचे उद्देश्य लेकर चलने वाले व्यक्ति इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं अन्यथा रेवड़ियां बांटने वालों की स्वार्थपूर्ति होती रहेगी। मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी अरुण ओझा ने कहा कि हमारे देश में दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले सामाजिक सुरक्षा बहुत कमजोर है। हमारे यहां विकास की दिशा भ्रांतिमूलक है जिससे अमीर अधिक अमीर और गरीब अधिक गरीब हो गया है। ऐसा विकास अर्थहीन है। रेवड़ी कल्चर कहकर हम गरीबों का अपमान कर रहे हैं। वरिष्ठ इंजीनियर और चिंतक दामोदर प्रसाद चिरानिया, डॉ. मंगल सोनगरा, शालिनी शर्मा, स्वतंत्र चिंतक इंद्र भंसाली, आरके शर्मा, व्यंग्यकार कवि फारूक आफरीदी ने अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में स्तंभकार ललित शर्मा, विष्णुलाल शर्मा, डॉ. सुषमा शर्मा, पत्रकार अनिल यादव, व्यंग्यकार यशवंत कोठारी, लोकेश शर्मा, उद्यमी रमेश कुमार खंडेलवाल, कवि कल्याण सिंह शेखावत, अरुण ठाकुर, अनंत कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि जीवन को सरल और सुगम बनाना सरकार का दायित्व है।

नारी की सुरक्षा का सरोकार कार्यक्रम आयोजित
'बेटी ही नहीं, बेटे को भी समझानी होगी महिलाओं की हर परेशानी'

बेधड़क | जयपुर

सिर्फ बेटी को ही नहीं समझाना है, बल्कि बेटे को भी महिलाओं की हर परेशानी के बारे में शुरू से बताना है ताकि उसमें वह सम्मान और केयर मौजूद रहे, जो वह अपनी घर की महिलाओं के लिए चाहता है। ऐसे में जब उसे महिलाओं की हर परेशानी पहले से पता होगी तो वह बाहर भी महिलाओं का सम्मान करेगा और गलत रास्ते पर नहीं जाएगा।

इससे एक सुरक्षित समाज का निर्माण काफी हद तक किया जा सकता है। वहीं पेरेंट्स की भी जिम्मेदारी बनती है, कि उनका पता रखना चाहिए कि उनके बच्चे किन लोगों के साथ उठते-बैठते हैं। ये कुछ ऐसे विचार और सुझाव थे जो एक स्वर में महिलाओं ने दमदार आवाज में रखे। मंच पर सिर्फ महिलाएं ही थीं और उनके मद्दों सभी को प्रभावित कर रहे थे। मौका था पिंक सिटी प्रेस क्लब में सरोकार कार्यक्रम का, जिसमें महिला सुरक्षा की बात की गई।

कार्यक्रम आयोजक आचार्या हिमानी शास्त्री ने बताया कि राजस्थान में महिलाओं के साथ बढ़ रही घटनाओं के मद्देनजर ये आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के अलग-अलग पदों पर काम कर रही महिलाओं ने विचार रखे। इस मौके पर डॉ. अलका गौर, सोशल वर्कर सम्रद्धि शर्मा, आरजे नूपुर टंडन, लघु उद्योग भारती अध्यक्ष प्रतिमा नाथानी, वीमेन एंटरप्रेन्योर डेवेलपमेंट कॉपरेटिव सोसायटी अध्यक्ष सम्पति कुमावत, आईएमआईसीसी अध्यक्ष एंजलीना जौली सहित कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। आचार्य हिमानी शास्त्री ने बताया कि यदि हम कोई बुरी आदत रखते हैं तो उसका असर हमारी नई जनरेशन पर जरूर जाता है। क्योंकि डीएनए को बदला नहीं जा सकता है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी है कि वे अपनी आदतें बदले। इससे स्वतः ही बच्चों में अच्छी भावना जाग्रत होंगी।

कोशिश | पर्यावरण संरक्षण के लिए उमा व्यास ने किया नवाचार

मिट्टी की गणेश प्रतिमा विसर्जन के बाद उगेंगे पौधे

बेधड़क | जयपुर

प्रकृति एवं संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन को समर्पित संगठन श्री कल्पतरु संस्थान की सक्रिय कार्यकर्ता उमा व्यास ने ग्रीन गणेश उत्सव अभियान के तहत अद्भुत नवाचार किया है। नदियों, सरोवरों और पोखरों के पानी को प्रदूषित होने से बचाने के लिए मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा स्थापित किए जाने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं के बीच अनेक स्थानीय प्रजातियों के पौधों के बीज रखे हैं, जो विसर्जन के बाद कुछ ही दिनों में पौधों में परिवर्तित हो जाएंगे। उमा व्यास ने बताया कि कुछ दिनों से संस्थान के अनेक वॉलिंटियर्स को बीज रखकर गणेश प्रतिमा बनाने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। तालाब से मिट्टी लाकर 1008 गणेश प्रतिमाएं तैयार की गई है, जिन्हें शहरवासियों को निशुल्क भेंट किया जा रहा है। इस कार्य में उषा देवी, विनीत, वंशिका, संतोष, पूजा, अशोक और विवेन आदि कार्यकर्ता जुटे हैं। उन्होंने शहर वासियों को गमलों में इन गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किस तरह किया जाए, इसकी भी जानकारी दी।

पीओपी प्रकृति के लिए नुकसानदायक

इस नवाचार के बारे में जानकारी देते हुए उमा व्यास ने बताया कि गणपति की मूर्ति पीओपी (प्लास्टर ऑफ पेरिस) से और पंडाल सजावट की चीजें थर्मोकोल, प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थों से बनी होती है, जो कि प्रकृति के लिए बहुत नुकसानदायक है। ऐसे में क्यों न हम कोई ऐसा तरीका अपनाए जिससे त्योहार भी अच्छे मन जाए और प्रकृति की भी रक्षा हो जाए।

गणेश उत्सव के लिए विशेष प्रतिमाएं

शहरवासियों के लिए गमलों या पार्कों में विसर्जित करने के लिए तुलसी और फूलों के बीजों से गणेश प्रतिमा तैयार की गई है। जलाशय में विसर्जित करने वालों के लिए कमल के बीजों का उपयोग किया गया है। उमा व्यास का कहना है कि उत्सव मनाने के बाद इस मूर्ति को गमले में लगा दे, मूर्ति के बीज पौधा बनकर आपके घर की हरियाली बढ़ाएंगे। मिट्टी के स्थान पर गाय के गोबर से भी प्रतिमा बनाकर विसर्जित की जा सकती है।

इको-फ्रेंडली उत्सव मनाने पर फोकस

उमा व्यास ने बताया कि गणेश प्रतिमा के अलावा उत्सव में पंडाल और फिर पूजा-विधि के लिए भी ख़ास इंतजाम किए जाते हैं। लेकिन इस बार आप अपने गणपति उत्सव को पूरी तरह से इको-फ्रेंडली बना सकते हैं। रेग्युलर अगरबत्ती इस्तेमाल करने की बजाय आप फूलों को प्रोसेस करके बनाई गई ऑर्गेनिक अगरबत्ती इस्तेमाल करें। साथ ही, प्लास्टिक की सजावट की जगह बायोडिग्रेडेबल चीजों से सजावट करें।

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, मंगलवार, 19 सितंबर, 2023

10

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

जिस प्रकार ध्येय के बिना कर्म व्यर्थ है, उसी तरह प्रसन्नता के बिना जीवन व्यर्थ है, इसलिए सदैव प्रसन्न रहिए।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

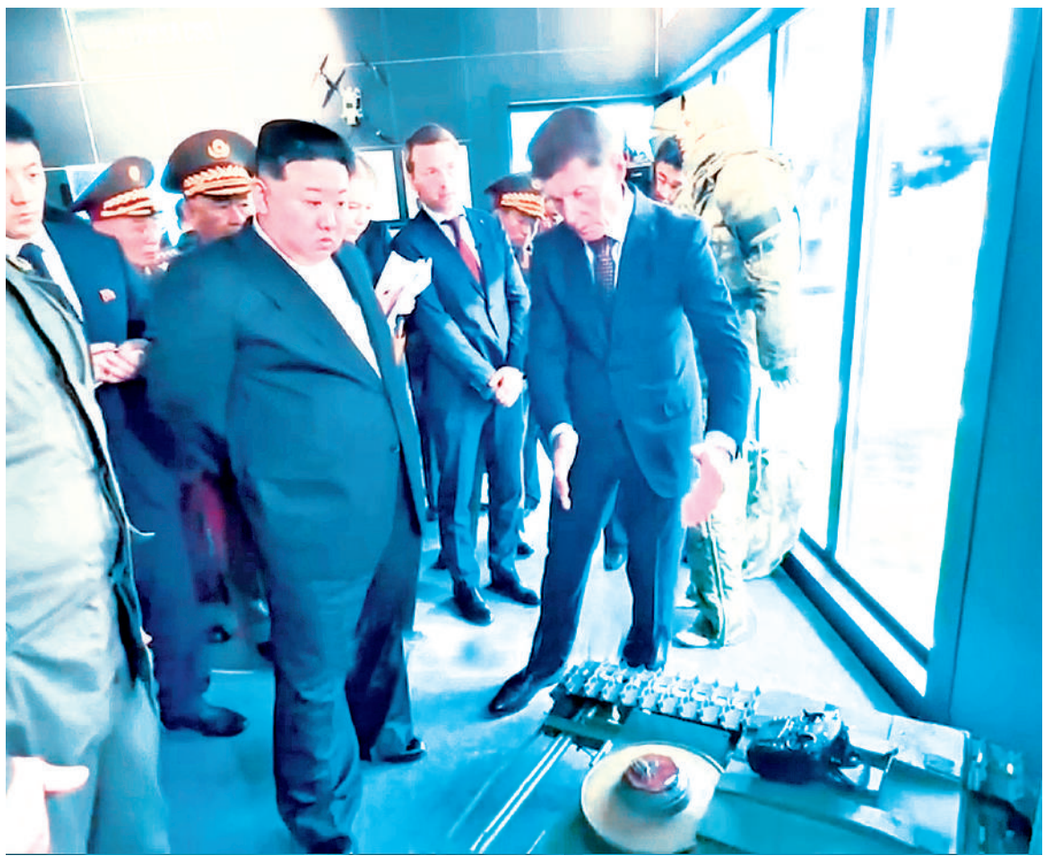

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की रूस की यात्रा पूरी

रूस से तोहफे में मिले पांच ड्रोन और बुलेटप्रूफ जैकेट

एजेंसी | मॉस्को

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की रूस यात्रा पूरी हो गई है। वह रविवार को बख्तरबंद ट्रेन से अपने देश के लिए रवाना हो गए। उन्हें रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र प्रिमोस्र्की के गवर्नर ने भेंट स्वरूप एक बुलेटप्रूफ जैकेट और छह ड्रोन सौंपे हैं। हफ्ते भर लंबी यात्रा के दौरान सैन्य सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ चर्चा हुई।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन रूस के छह दिवसीय दौरे के बाद वापस अपने देश लौट गए हैं। किम जोंग उन की रूस की यह यात्रा काफी अहम रही। तानाशाह किम ने अपने रूस दौरे पर राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। उनके इस दौरे से दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होते दिखे। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन रविवार को बख्तरबंद ट्रेन से अपने देश के लिए रवाना हो गए। उन्हें रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र प्रिमोस्र्की के गवर्नर ने भेंट स्वरूप एक बुलेटप्रूफ जैकेट और छह ड्रोन सौंपे हैं।

पश्चिम देशों को सता रहा डर

तानाशाह किम जोंग उन ने रूस के करीब छह दिनों दौरे के इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन और तानाशाह किम जोंग उन के बीच सैन्य सहयोग पर फोकस रहा। हालांकि, किम जोंग की रूस यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों को डर सता रहा है कि उत्तर कोरिया के नेता द्वारा मॉस्को को हथियार मुहैया कराया जा सकता है, जिसका इस्तेमाल यूक्रेन पर हमले के लिए हो सकता है।

रूसी शस्त्रागार को अधिक सक्षम बनाने का था उद्देश्य

यात्रा का उद्देश्य यूक्रेन युद्ध को तेजी देने के लिए रूसी शस्त्रागार को और अधिक सक्षम बनाना था। सोवियत संघ के डिजाइन पर आधारित उत्तर कोरिया के पास मौजूद हथियार उसमें बड़े सहायक हो सकते हैं। इसके बदले किम अपने सेटेलाइट अभियान में रूस की मदद चाह रहे हैं। उत्तर कोरिया की ओर से इस यात्रा को नए सुनहरे दिन की शुरुआत करार दिया गया है। यात्रा के दौरान किम जोंग उन ने रूसी रक्षा मंत्री से भी मुलाकात की। उन्होंने परमाणु क्षमता से लैस बमवर्षक विमानों और हाइपरसोनिक मिसाइलों का भी निरीक्षण किया।

पाकिस्तान: यूएस के दबाव में यूक्रेन भेजे हथियार

रूस को दे दिया धोखा

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान की ओर से यूक्रेन को चोरी-छिपे हथियार बेचे गए थे और उसके नतीजे के तौर पर ही उसे आईएमएफ की ओर से लोन मिल गया, जो लंबे समय से अटका हुआ था।

एक वेबसाइट की एक रिपोर्ट में सरकार के आंतरिक दस्तावेजों के आधार पर दावा किया गया है कि अमेरिका के साथ यह सीक्रेट डील हुई थी, जिसके बाद पाकिस्तान ने यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने कहा था कि यदि पाकिस्तान इस डील पर आगे बढ़ता है तो अब तक की सारी गलतियों को माफ कर दिया जाएगा।

दरअसल, रूस और यूक्रेन के बीच जब युद्ध शुरू हुआ था और तब तो इमरान खान खुद ही पुतिन से मिलने मॉस्को पहुंचे थे। इमरान खान ने इसके बाद कई बार खुलकर कहा था कि अमेरिका के इशारे पर उन्हें सत्ता से हटाया गया है। इस साजिश में पाकिस्तानी सेना के भी शामिल होने का आरोप उन्होंने लगाया था।

सेना के दस्तावेजों से खुलासा

वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक इसी साल एक अंदरुनी सूत्र ने पाकिस्तानी सेना के दस्तावेज उसे सौंपे हैं। इन दस्तावेजों से पता चलता है कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच हथियारों की सेल को लेकर डील हुई थी। इसके तहत 2022 की गर्मियों से 2023 फरवरी तक हथियार सेल की बात थी। यह हथियार डील ग्लोबल मिलिट्री प्रॉडक्ट्स के दखल से कराई गई थी।

शहबाज शरीफ सरकार ने भेजे हथियार

इमरान खान के सत्ता से हटने के दो महीने बाद ही नए पीएम बने शहबाज शरीफ ने चुपचाप यूक्रेन को हथियार भिजवा दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक इसके बदले में कर्ज के बोझ में दबे पाकिस्तान को आईएमएफ से बेलआउट पैकेज दिलाया गया था। अमेरिका ने कहा गया था कि यदि इमरान खान को बेदखल कर दिया गया तो सब गलतियां माफ होंगी। बता दें कि इमरान खान के सत्ता से बेदखल होने के बाद पाकिस्तान की सरकार का स्टैंड यूक्रेन मसले पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के समर्थन का रहा है।

चीन के 103 फाइटर जेट ने भरी ताइवान की तरफ उड़ान

अब तक की सबसे बड़ी घुसपैठ... तनाव

एजेंसी | ताइपे

ताइवान ने सोमवार को कहा कि चौबीस घंटे की अवधि में चीन के 103 लड़ाकू विमानों ने उसकी तरफ उड़ान भरी। यह हाल के वर्षों में चीन द्वारा एक दिन में ताइवान की तरफ भेजे जाने वाले लड़ाकू विमानों की सर्वाधिक संख्या है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने सोमवार सुबह समाप्त हुई चौबीस घंटे की अवधि में 103 चीनी लड़ाकू विमानों के द्वीप की तरफ उड़ान भरने का पता लगाया। मंत्रालय के मुताबिक, चीनी विमान हमेशा की तरह ताइवान पहुंचने से पहले ही लौट गए।

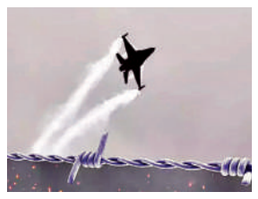

ताइवान एक स्वशासित द्वीप है, जिस पर चीन अपना दावा जताता है। चीन ने ताइवान और अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच द्वीप के आसपास हवा और पानी में बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किए हैं, जिसे कुछ देश उकसावे भरी कार्रवाई के रूप में देखते हैं। अमेरिका ताइवान का मुख्य हथियार आपूर्तिकर्ता है और वह ताइवान की स्थिति को बलपूर्वक बदलने के किसी भी प्रयास का विरोध करता है।

यूएन आमसभा से पहले चीनी विदेश मंत्री रूस में

न्यूयॉर्क। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के रूस दौरे से वापस लौटते ही अगले दिन चीन के विदेश मंत्री वांग यी चार दिनों की यात्रा पर सोमवार को रूस पहुंच गए। इस दौरान चीनी विदेश मंत्री और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच यूक्रेन युद्ध पर चर्चा होगी। दोनों देशों के नेता द्विपक्षीय बातचीत करेंगे।

अमेरिका का घातक फाइटर जेट F-35 गायब

विमान को ढूंढने में मांगी मदद

एजेंसी | वॉशिंगटन

एफ-35 फाइटर जेट, अमेरिका की मरीन कोर का वह लड़ाकू विमान जो छिपकर मिशन को पूरा करने में सक्षम है, उड़ान के दौरान गायब हो गया है। दक्षिण कैरोलिना के नॉर्थ चार्ल्सटन एयरबेस से टेकऑफ करने के बाद से ही इसका कुछ पता नहीं लग रहा है। मरीन कोर ने अब विमान का पता लगाने के लिए स्थानीय जनता से मदद मांगी है। घटना रविवार दोपहर की है और पायलट विमान से सुरक्षित बाहर आ गए थे।

मरीन कोर ने इसकी जांच शुरू कर दी है और इसे एक घटना माना गया है। पायलट की हालत स्थिर है और फिलहाल उनका इलाज जारी है।

'धधकते गोले' की तस्वीर

'सनी, धूप के गुलदस्ते के लिए शुक्रिया'

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अंतरिक्ष की आश्चर्यजनक तस्वीरें शेयर करती रहती है। नासा का इंस्टाग्राम हैंडल पृथ्वी और अंतरिक्ष के बारे में जानने की रुचि रखने वालों के लिए खजाना है। नासा ने एक बार फिर मंत्रमुग्ध करने वाली तस्वीर शेयर की है। यह तस्वीर धधकते आग के गोले यानी सूर्य की है। इंस्टाग्राम पर इस तस्वीर को शेयर करते हुए नासा ने कैप्शन में लिखा, 'सनी, धूप के गुलदस्ते के लिए धन्यवाद। हमारे सौर मंडल में सबसे बड़ा सूर्य है, जो अपने विशाल आकार और चुंबकीय उपस्थिति से ग्रहों से लेकर धूल तक हर चीज को प्रभावित करता है।'

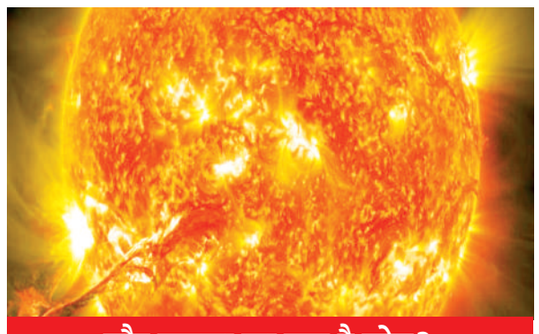

सौर ज्वाला का क्या है स्रोत?

सौर ज्वाला के बारे में नासा का कहना है, 'सूर्य के गतिशील ऊपरी वायुमंडल को कोरोना कहा जाता है। यह प्लाज्मा से भरा हुआ है, जिसकी गति सूर्य के आसपास के चुंबकीय क्षेत्रों से नियंत्रित होती है। कोरोना में तापमान लाखों डिग्री तक पहुंच सकता है। कोरोना सौर हवा के साथ-साथ सौर फ्लेयर्स और कोरोनल मास इजेक्शन का स्रोत है।' सीधे शब्दों में कहें तो सौर ज्वालाएं प्रकाश की तेज चमक हैं, जो अचानक सूर्य की सतह पर दिखाई देती हैं। वे आम तौर पर कुछ मिनटों तक रहती हैं।

सौर ज्वालाओं और सीएमई जैसे विस्फोट

नासा ने अपने कैप्शन में आगे लिखा, 'सूर्य का वायुमंडल, या कोरोना, एक गतिशील स्थान है जहां सौर ज्वालाएं और कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) जैसे बड़े विस्फोट होते हैं। पृथ्वी सौर वेधशाला ने 2012 में इस सीएमई को कैप्चर किया था, जो 1,448 किमी प्रति सेकंड की यात्रा करके अंतरिक्ष में पहुंचा और सूर्य की नारंगी और पीले रंग के रंगों की तस्वीर खींची। इसमें सूर्य की सतह पीली दरारों से चिह्नित है जो अंतरिक्ष के कालेपन को दूर कर रही है।'

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।

संपादक: पंकज सोनी*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl